News सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-68
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

'सोच जितनी बड़ी होगी
सफलता उतनी ही बड़ी होगी'

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शुक्रवार 13 जून 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

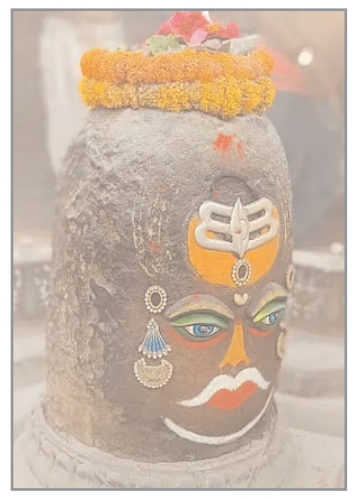

अहमदाबाद विमान हादसा, भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक जिंदा बचा

241 यात्रियों की मौत

एअर इंडिया की फ्लाइट लंदन जा रही थी; पूर्व सीएम रूपाणी का भी निधन

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी समेत 200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि, विमान में सफर कर रहा एक यात्री जिंदा बच गया। इसे चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। विश्वास कुमार रमेश एयर इंडिया की फ्लाइट में 11 ए सीट पर बैठकर लंदन जा रहे थे। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। 40 वर्षीय विश्वास कुमार के मुताबिक जब मैं उठा तो मेरे चारों ओर लाशें बिखरी पड़ी थीं। मैं डर गया। मैं खड़ा हुआ और भागा। मेरे चारों तरफ विमान के टुकड़े बिखरे पड़े थे। उड़ान भरने के तीस सेकंड बाद तेज आवाज हुई और फिर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह सब बहुत जल्दी हुआ। विश्वास के सीने, आंखों और पैरों पर चोट आई है और उनका इलाज चल रहा है। लंदन के गैटविक जाने वाला एयर इंडिया का विमान – बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर – क्रू मेंबर्स के सदस्यों सहित 242 लोगों को लेकर गुरुवार को दोपहर 1.38 बजे अहमदाबाद से उड़ा और कुछ ही मिनटों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। इसी विमान में यात्रा कर रहे विश्वास कुमार एक ब्रिटिश नागरिक हैं और कुछ दिनों के लिए अपने परिवार से मिलने भारत आए थे। वेअपने भाई अजय कुमार रमेश (45) के साथ वापस लंदन जाने के लिए प्लेन में सवार थे। विश्वास के पास से बोर्डिंग पास भी मिला है। उन्होंने कहा कि वे 20 साल से लंदन में रह रहे हैं और उनकी पत्नी और बच्चा भी लंदन में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके भाई अजय के साथ विमान में अलग पंक्ति में बैठे थे। उन्होंने कहा कि हम दीव गए थे। वे मेरे साथ यात्रा कर रहे थे और अब मैं उन्हें नहीं ढूंढ पा रहा हूं। कृपया उन्हें ढूंढने में मेरी मदद करें। गुरुवार देर शाम तक पुलिस ने 204 लोगों के मरने की पुष्टि कर दी है और यह आंकड़ा अभी बढ़ सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी कि एक व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं न्यूज एजेंसी एपी ने कहा था कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है।

अंतिम समय में यात्रा कैंसल करने वाले रहे भाग्यशाली कुछ ऐसे भाग्यशाली लोग भी रहे जिन्होंने अंतिम समय में इस फ्लाइट से जाना कैंसल कर दिया था जिससे उनकी जान बच गई। ऐसे ही एक शख्स अहमदाबाद के रहने वाले सावजीभाई टिंबाडिया भी हैं। जो कि अब इसके लिए भगवान का धन्यवाद करते हुए नहीं थक रहे हैं। उनका कहना है कि मैं इसी विमान से लंदन जाने वाला था, लेकिन कहीं न कहीं मेरे कुछ अच्छे कर्मों की वजह से मैंने अपना जाना कैंसल कर दिया था, जिससे मेरी जान बच गई। टिंबाडिया ने कहा कि मैं अपनी जान बचाने के लिए भगवान स्वामीनारायण का आभारी हूं और मुझे बचाने के लिए भगवान को धन्यवाद देता हूं। करीब 60 साल के हो चुके टिंबाडिया ने कहा मेरा बेटा जो कि लंदन में रहता है ने पहले इस फ्लाइट में मेरी बुकिंग कराई थी। जिसके बाद मुझे फ्लाइट नंबर भी मिल गया था, लेकिन किसी बेहद जरूरी काम के आ जाने की वजह से मैंने अपनी यात्रा चार दिन के लिए टाल दी थी। मुझे पता नहीं था कि मेरा यही फैसला मेरी जान बचा देगा। हादसे के बाद लंदन से मेरे बेटे का मेरे पास फोन आया और उसने कहा कि इस जन्म में किए आपके अच्छे कर्मों ने आज आपकी जान बचा ली।

10 मिनट की देरी होने से छूट गई फ्लाइट, बच गई जान जाको राखे साइयां, मार सके न कोय। भूमि चौहान भी उन्हीं में से एक हैं। अहमदाबाद में एयर इंडिया का जो विमान क्रैश हुआ, भूमि चौहान उसी फ्लाइट से लंदन जाने वाली थीं। लेकिन, 10 मिनट की देरी हो जाने से उनकी फ्लाइट छूट गई। कुछ ही देर बाद उन्हें विमान के क्रैश होने की जानकारी मिली। उनका कहना है कि गणपति बप्पा ने उन्हें बचा लिया। हादसे के बारे में सोचकर वे कांप उठती हैं। भूमि चौहान को अहमदाबाद की फ्लाइट में सवार होना था, लेकिन ट्रैफिक में फंसने की वजह से कुछ मिनटों की देरी के कारण उनका फ्लाइट छूट गई। वे अपने बच जाने के बारे में सोचकर कांप रही हैं। उन्होंने कहा कि लोगों की जान जाने के बारे में सुनकर मैं पूरी तरह से टूट गई हूं। मेरा शरीर कांप रहा है। मैं बात नहीं कर पा रही हूं। जो कुछ हुआ है, उसे सुनने के बाद अब मेरा दिमाग पूरी तरह से सुन्न हो गया है। चौहान एयर इंडिया की फ्लाइट से अकेले ही लंदन वापस जाने वाली थीं। वे दो साल बाद छुट्टियां मनाने भारत आई थीं और लंदन में अपने पति के साथ रहती हैं।

विजय रुपाणी की बेटी से मिलने की हसरत रह गई अधूरी विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी का निधन हो गया है। वे बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। बेटी से मिलने की उनकी हसरत अधूरी ही रह गई। उनके राजकोट वाले घर में प्रार्थनाओं का खूब दौर चला,लेकिन कुछ काम न आया। विजय रुपाणी के परिवार में उनकी पत्नी और तीन बच्चे हैं। इनमें दो बेटे और एक बेटी है,वही बेटी जिससे मिलने रुपाणी लंदन जा रहे थे। बड़ा बेटा ऋषभ रुपाणी इंजीनियरिंग ग्रेजुएट हैं। बेटी का नाम राधिका रुपाणी है जो फिलहाल लंदन में हैं और अपने पति निमित मिश्रा के साथ रहती हैं। तीसरा और सबसे छोटा बेटा पूजित इस दुनिया में नहीं है। उसका एक हादसे में निधन हो गया था। पिता विजय रुपाणी ने बेटे पूजित के नाम पर मेमोरियल ट्रस्ट भी बना रखा था। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों की मदद करना है। विजय रुपाणी की पत्नी अंजली रूपाणी भी भाजपा से जुड़ी हैं

देशभर में चर्चा में आया भोपाल का 90 डिग्री वाला 'अनोखा' रेलवे ओवर ब्रिज

भोपाल। राजधानी भोपाल में 18 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज उद्घाटन से पहले ही देश भर में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। चर्चा ब्रिज के 90 डिग्री मोड़ की हो रही है, जो भविष्य में हादसों का बड़ा केंद्र बन सकता है। इसका शेप एल आकर का दिया गया है। बता दें कि इस ब्रिज का शहर की बड़ी आबादी को लगभग 10 साल से इंतजार था। इसका निर्माण कार्य 2023 में शुरू हुआ तो अब बन कर तैयार हो गया है। लेकिन लोगों के बीच इसके बनने की खुशी के बजाए चिंता दिखाई देने लगी।अधिकारियों का तर्क है कि जमीन की कमी के चलते और पास में मेट्रो रेल स्टेशन की मौजूदगी के चलते उनके पास ब्रिज निर्माण का कोई और विकल्प नहीं था। वहीं, मामला सुर्खियों में आने पर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह भी इस मामले में सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने जानकारी दी की भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधीकरण की टीम ने निरीक्षण कर लिया है।

टॉप हाईट पर 90 डिग्री का खतरनाक टर्न भोपाल को ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने उद्देश्य से बनाए गए ऐशबाग रेलवे ओवरब्रिज का डिजाइन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। बनकर तैयार हुए इस ब्रिज की टॉप हाईट पर 90 डिग्री का खतरनाक टर्न दिया गया है, जिसने लोगों को असमंजस में डाल दिया है। लोग इस ब्रिज को भविष्य में भोपाल में होने वाले हादसों का सबसे बड़ा केंद्र बता रहे हैं तो वहीं कुछ लोग इसे पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट की 'टेकनोलॉजिया' कहकर मीम बना रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 18 करोड़ रुपये की लागत से बना यह ओवरब्रिज 648 मीटर लंबा और 8.5 मीटर चौड़ा है। हालांकि, इसके 90 डिग्री के घुमाव के कारण, सोशल मीडिया के साथ-साथ स्थानीय लोगों द्वारा भी इसके डिजाइन पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

फ्लैट स्लैब डालने से हुआ डिजाइन में बदलाव ओवरब्रिज की जिस भुजा से बोगदा की तरफ उतरना है, वहां बना यह तीखा मोड़ आने-जाने वाले वाहनों के लिए बेहद जोखिम भरा है। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि मूल डिजाइन में यह मोड़ घुमावदार था, लेकिन रेलवे द्वारा फ्लैट स्लैब डालने की वजह से डिजाइन में बदलाव करना पड़ा।

एक्सपर्ट की राय ट्रैफिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस तरह के तीखे मोड़ सड़क नियमों और सुरक्षा मापदंडों के खिलाफ हैं। खासकर भारी वाहनों और तेज गति से चलने वाली गाड़ियों के लिए यह मोड़ बड़ा खतरा बन सकता है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री बोले- यह 5 साल पुराना प्रोजेक्ट है राज्य के पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि यह पांच साल पुराना प्रोजेक्ट है और इसका डिजाइन पहले ही तैयार हो चुका है, हालांकि इसका एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) द्वारा निरीक्षण किया जा चुका है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। पुल बनने के बाद अचानक कुछ विशेषज्ञ आते हैं और इस तरह की बात करते हैं, जबकि कोई भी पुल बनाते समय बहुत सारे तकनीकी पहलुओं को देखा जाता है। अगर ये कोई आरोप है तो इसकी जांच कराई जाएगी।

अपनी ही बेटी के खिलाफ पुलिस से बोली मां- मेरी बेटी भी करा सकती है दामाद की हत्या

शामली। मेरी बेटी अपने प्रेमी के साथ मिलकर मेरे दामाद की हत्या करा सकती है। राजा रघुवंशी हत्याकांड और उसकी पत्नी सोनम का हवाला देते हुए एक महिला ने आशंका जताते हुए पुलिस से अपनी बेटी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई है। यूपी के शामली में चौसाना पुलिस चौकी पहुंचकर मां ने अपनी ही बेटी के खिलाफ शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि बेटी 12 साल तक शादी के बंधन मे होने के बाद भी प्रेमी संग फरार हो गई थी। अब वापस लौटी तो आशंका है कि सोनम की तरह दामाद की हत्या करा सकती है। महिला की तहरीर के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेरठ के नानू गांव की रहने वाली महिला ने चौसाना चौकी में दी तहरीर में बताया कि उसकी बेटी की शादी 12 साल पहले चौसाना क्षेत्र में हुई थी। इसके 12 साल बाद बेटी का पड़ोस के युवक से प्रेम प्रसंग हो गया और वह प्रेमी के संग फरार हो गई। अब बुधवार रात महिला वापस अपने पति के घर पहुंची। आरोप है कि महिला के प्रेमी व अन्य लोगों ने मिलकर पति के घर में तोड़फोड़ की। इस दौरान विरोध करने पर देवरो के साथ मारपीट की। बेटी के वापस आने की जानकारी मिलते ही उसकी मां व अन्य लोग अलीपुरा पहुंचें और चौसाना पुलिस को शिकायत की। मां ने कहा कहा कि सोनम-राजा रघुवंशी कांड की तरह मेरी बेटी व उसका प्रेमी मेरे दामाद की हत्या कर सकते हैं। मां की शिकायत के बाद पुलिस ऐक्शन में आ गई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

शादी के महज 15 दिन बाद पत्नी ने सोते हुए पति की कुल्हाड़ी मारकर कर दी हत्या

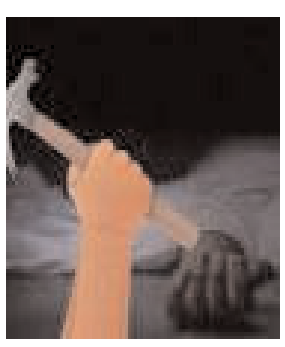

सांगली। इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या की गूंज अभी थमी भी नहीं है कि महाराष्ट्र के सांगली जिले से एक और दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां एक 27 साल की महिला ने कथित तौर पर अपने 53 साल के पति अनिल लोखंडे की हत्या कर दी। यह वारदात शादी के महज 15 दिन बाद ही हुई है। कुपवाड़ एमआईडीसी पुलिस स्टेशन के सहायक निरीक्षक दीपक भंडवलकर ने कहा कि मंगलवार रात को दंपति में झगड़ा हुआ था। इसके बाद बुधवार को रात करीब 12.30 बजे जब अनिल सो रहा था, राधिका ने उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार किया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसने अपनी चचेरी बहन को इसके बारे में बताया। हमने महिला को गिरफ्तार कर लिया और उसे अदालत में पेश किया। अदालत ने हमें दो दिन की रिमांड दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे सांगली जिले के कुपवाड़ तहसील स्थित उसके घर से उसे हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामला काफी संवेदनशील है और हम सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अनिल लोखंडे ने 15 दिन पहले ही राधिका से दूसरी शादी की थी। लोखंडे की पहली पत्नी की कैंसर से मौत हो गई थी। वह इस शादी को पूर्ण करने के लिए अपनी नई पत्नी के साथ बार-बार संबंध बनाने की जिद कर रहा था। इससे राधिका गुस्से में आ गई।

घायल युवक बोला- पत्नी उनकी संपत्ति हड़पना चाहती है, इसलिए करवाया हमला

उज्जैन। उज्जैन में बुधवार देर रात एक मान के कार्यक्रम में फायरिंग हो गई, जिसमें एक युवक और एक महिला घायल हो गए। बताया गया कि आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने पहले युवक पटेल नगर निवासी जयराज सिंह पर कार चढ़ाने की कोशिश की। जब युवक ने दौड़कर जान बचाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने कार्यक्रम के दौरान गोली चला दी। घटना के बाद घायल युवक और महिला को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रात करीब 11.30 बजे की है। गनीमत रही कि गोली सीधे जयराज को नहीं लगी, लेकिन बंदूक से निकले छर्रे उनके पेट में लग गए, जिससे वे घायल हो गए। विवाद के दौरान वहां मौजूद एक महिला को भी छर्रे लगे, जिससे वह भी घायल हुई। घायल जयराज सिंह ने आरोप लगाया कि उन पर यह जानलेवा हमला उनकी पत्नी के कहने पर किया गया है। उन्होंने कहा कि आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उन पर हमला किया, जिनमें उनके साले यश चौहान और वैभव चौहान के कहने पर शैलू सिंह, सन्नी और दो अन्य लोग शामिल थे। जयराज का कहना है कि उनका अपनी पत्नी से पारिवारिक विवाद कोर्ट में चल रहा है और पत्नी उनकी संपत्ति हड़पना चाहती है। इसके लिए उनका साला उन्हें पहले भी धमका चुका है और पिछले महीने भी उन पर हमला करने की कोशिश कर चुका है।

मप्र में डेढ़ लाख संविदा कर्मचारियों का वेतन बढ़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश के डेढ़ लाख संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन में 2.94 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वित्त विभाग ने गुरुवार शाम इसके आदेश जारी कर दिए हैं। संविदा कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ 1 अप्रैल 2025 से मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के 22 जुलाई 2023 के सर्कुलर के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक की रिपोर्ट पर यह वृद्धि 2.94 प्रतिशत तय की गई है। यानी अब हर अधिकारी और कर्मचारी को 31 मार्च 2025 की स्थिति में मिल रहे वेतन में 1 अप्रैल 2025 से 2.96 प्रतिशत बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। वित्त विभाग ने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त, राजस्व मंडल अध्यक्ष, सभी कलेक्टरों को वेतनवृद्धि के निर्देश जारी किए। मध्य प्रदेश संविदा अधिकारी-कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर के मुताबिक प्रदेश में संविदा पर काम करने वाले अधिकारी और कर्मचारी का न्यूनतम वेतन 12 हजार से लेकर 65 हजार रुपए प्रति माह तक है। इसमें दो महीने से वृद्धि नहीं किए जाने पर उनके द्वारा शासन के संज्ञान में यह मामला लाया गया था। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि 3.78 प्रतिशत की गई थी। संविदा वर्ग को उम्मीद थी कि इस बार सरकार 4 प्रतिशत तक की वृद्धि कर लाभ देगी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। राठौर के मुताबिक जो वृद्धि की गई है, उससे कर्मचारियों को 300 रुपए से 1500 रुपए तक की वेतन वृद्धि मिलेगी, जो नाम मात्र है। पहले यह वृद्धि दो हजार से आठ हजार तक होती थी। इसलिए सरकार से मांग है कि जैसे पहले संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता मिलता था, वैसे ही महंगाई भत्ता दिया जाए।

हरदा,आगर-मालवा, विदिशा और शाजापुर जिले मलेरिया मुक्त

भोपाल। बारिश का महीना शुरू होते ही मच्छर जनित बीमारियां डेंगू,मलेरिया के केस बढ़ने लगते हैं। इसे लेकर विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। प्रदेश के चार जिले हरदा,आगर-मालवा, विदिशा और शाजापुर में मलेरिया के केस जीरो हो गए हैं । यह विभाग की बड़ी उपलब्धि है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मलेरिया को कंट्रोल करने की प्लानिंग की गई है। शुरुआती दौर में एंबेड परियोजना के सहयोग से प्रदेश के 15 जिलों के प्रत्येक गांव में एक-एक वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। ये वॉलिंटियर गांव में लोगों को मच्छरों से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करेंगे और जिस क्षेत्र में लार्वा पाया जाएगा वहां हफ्ते में एक बार पहुंच कर इसे कंट्रोल करने का काम करेंगे। गावों में मच्छर जनित बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए एंबेड परियोजना फैमली हेल्थ इंडिया के सहयोग से प्रदेश के 15 जिले शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, विदिशा, भोपाल, जबलपुर, नीमच, रीवा, सीधी, बालाघाट, सिवनी और इंदौर के गांवों में वॉलिंटियर भेजे जाएंगे। एंबेड परियोजना के डॉ. संतोष भार्गव ने बताया कि यह अभियान 1 जुलाई से शुरू किया जाएगा। उन्होने बताया कि इससे पहले बालाघाट जिले में प्रयोग किया गया था। जिसके बाद केसों में काफी कमी आई इस लिए अब प्रदेश के 15 जिलों में शुरू किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में मलेरिया कम होने के प्रमुख कारण मलेरिया विभाग नगर निगम और एंबेड परियोजन के सहयोग से प्रदेश भर में जनजारूरता अभियान चलाया, स्कूल, कॉलेज से लेकर धर्मगुरुओं को भी इस अभियान में शामिल किया अभियान में एंबेड परियोजना के कर्मचारी झुग्गी बस्तियों तक पहुंच कर लोगों को जागरूर किया।

मध्यप्रदेश में गर्मी के साथ आंधी-बारिश वाला मौसम भी

इंदौर में चली तेज आंधी, सैकड़ों पेड़ गिरे, बिजली के खंबे भी टूटे

इंदौर। इंदौर में भीषण गर्मी और उमस के दौर के बीच गुरुवार को शाम 5 बजे तेज आंधी चली। आंधी से इंदौर के रिंगरोड वाले क्षेत्र में सैकड़ों पेड़ गिर गए। कई जगह बिजली के खंबे भी टूट गए और वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए। कई जगह लोगों के घायल होने की भी सूचना है। इंदौर में पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी पड़ रही है। लोग गर्मी और उमस से परेशान हैं। जून के दूसरे सप्ताह में भी गर्मी का प्रकोप जारी है। हालत यह हो चुकी है कि 9 दिन से दिन के तापमान में रोज औसतन एक डिग्री की बढ़ोतरी हो रही है। रोचक पहलू यह है कि इस बार मई माह का मिजाज जून जैसा रहा और अब जून का मिजाज मई जैसा बना हुआ है। अब रोज तेज धूप पड़ रही है और लोग पसीने से हलाकान हैं। आज भी सुबह मौसम साफ होने के बाद गर्मी का असर बढ़ता जा रहा है।

मध्य प्रदेश में मानसून इन दो दिन के अंदर आमद दे सकता है। गर्मी से लोग परेशान हैं और मानसून की राह तक रहे हैं। पिछले 14 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा हुआ है। इस वजह से प्रदेश में इसकी एंट्री लेट हो रही है। हालांकि बुधवार को मानसून की हलचलें तेज हुई है। इससे मौसम विभाग ने 14-15 जून को मध्य और पूर्वी भारत के हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रवेश करने की संभावना जताई है। पिछले 14 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री लेट हो रही है। हालांकि, बुधवार को मानसून की हलचलें तेज हुई है। इससे मौसम विभाग ने 14-15 जून को मध्य और पूर्वी भारत के हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के एंटर होने की संभावना जताई है। यानी, मध्यप्रदेश में मानसून इन दो दिन के अंदर आमद दे सकता है। मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून ही है। पिछले साल यह 21 जून को एंटर हुआ था।

आंधी के चलते ही कई जगह बिजली के खंबे टूट गए। इससे इंदौर के कई क्षेत्रों में बिजली चली गई। बंगाली चौराहे और खजराना मंदिर वाले क्षेत्र में तेज आंधी चलने से ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं विजय नगर, देवास नाके वाले क्षेत्र में लोगों को इसका पता भी नहीं चला। वहीं महू में आंधी के चलते 10 कच्चे घरों की छत उड़ गई। धार के मनावर, ग्वालियर और मुरैना समेत कुछ जिलों में भी पानी गिरा।

प्रदेश के 20 जिलों में अलर्ट जारी
मौसम विभाग ने भोपाल, उज्जैन समेत 20 जिलों में अलर्ट जारी किया है। रतलाम, उज्जैन, इंदौर, धार, विदिशा, सागर, रायसेन, हरदा, नर्मदापुरम, शाजापुर, राजगढ़, गुना, ग्वालियर,आगर-मालवा, देवास, सीहोर और खंडवा में भी मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन यानी, 12 और 13 जून को ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग के जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। 14 जून से फिर से बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। 15 जून को पूरे प्रदेश में बारिश का अलर्ट है। इसी दौरान मानसून की एंट्री भी प्रदेश में हो जाएगी।

खजुराहो में पारा 45.8 डिग्री पहुंचा,
मध्यप्रदेश में तेज आंधी और बारिश के बीच भीषण गर्मी का असर भी है। गुरुवार को 22 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहा। सबसे गर्म छतरपुर जिले के खजुराहो और नौगांव रहे। खजुराहो में 45.8 डिग्री और नौगांव में तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश के 5 बड़े शहरों में ग्वालियर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 44.2 डिग्री रहा। उज्जैन में 43.5 डिग्री, भोपाल में 41 डिग्री, इंदौर में 41.6 डिग्री और जबलपुर में 40.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह टीकमगढ़ में 44.7 डिग्री, शिवपुरी में 44 डिग्री, शाजापुर, गुना-नर्मदापुरम में 43.7 डिग्री, नरसिंहपुर में 43.4 डिग्री, रतलाम में 43.2 डिग्री, सतना में 43 डिग्री, सीधी-रीवा में 42.6 डिग्री, धार-दमोह में 42.4 डिग्री, सागर में 42.2 डिग्री, उमरिया में 41.5 डिग्री और खरगोन में तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कोरोना से तीसरी महिला की मौत, एक दिन में 12 नए केस

इंदौर। इंदौर में कोरोना लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है। बुधवार को एक ही दिन में 12 नए मरीज आ चुके हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रशासन ने सभी विभागों को अलर्ट रहने को कहा है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी के मुताबिक, अभी जितने भी कोरोना मरीज हैं, उन्हें बहुत हल्के लक्षण हैं और घबराने जैसी कोई स्थिति नहीं है। कोरोना पॉजिटिव जितने भी मरीजों की अब तक मौत हुई है उन्हें अन्य गंभीर बीमारियां भी थी। इंदौर में 52 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव महिला की बुधवार को मौत हो गई। वह रतलाम की रहने वाली थीं। महिला को पहले से टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित थीं। 8 जून को उन्हें सांस लेने में तकलीफ के कारण प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया था। 10 जून को रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें सरकारी अस्पताल एमआरटीबी के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट किया गया, लेकिन 11 जून को उनकी मौत हो गई। हालांकि महिला की मौत रतलाम जिले के रिकॉर्ड में दर्ज की जाएगी। इससे पहले 6 जून को खरगोन की 44 वर्षीय महिला की एमआरटीबी अस्पताल में मौत हुई थी। वह हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म देने के बाद संक्रमित पाई गई थीं। इससे पहले, 27 अप्रैल को इंदौर की 74 वर्षीय किडनी रोगी महिला की अरबिंदो अस्पताल में मौत हो चुकी है।

एक्टिव केस 51, अधिकांश होम आइसोलेट
अब तक इंदौर में कुल 81 कोरोना मरीज पाए गए हैं। इनमें से 69 इंदौर के हैं, जबकि 12 मरीज बाहर के हैं। अभी एक्टिव केसों की संख्या 51 है। इंदौर में बुधवार को कोरोना के 12 पॉजिटिव मरीज मिले हैं। ये सभी इंदौर के रहने वाले हैं। इनकी ट्रैवल हिस्ट्री पता की जा रही है। इन मरीजों सहित अधिकांश एक्टिव मरीज होम आइसोलेट हैं और उनकी हालत ठीक है। मंगलवार को जो 9 कोरोना मरीज मिले थे, उनमें से एक 67 वर्षीय बुजुर्ग को अन्य बीमारियां भी हैं, जिसके चलते उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। इसी तरह, एक अन्य 50 वर्षीय व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी और अन्य तकलीफों के कारण प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। इससे पहले खरगोन के एक 47 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव मरीज को भी एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। दरअसल, उसे ब्लड कैंसर है और उसका इलाज चल रहा है।

अस्पतालों में लग रही लाइन
भीषण गर्मी और उमस के चलते अस्पतालों में इन दिनों लाइन लगी हुई है। सर्दी, खांसी के मरीज लगातार आ रहे हैं। प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे बीमार होने पर तुरंत डाक्टर को दिखाएं और जांच करवाएं।

युवती से दुष्कर्म, मेट्रिमोनियल साइट पर हुई थी पहचान

इंदौर। इंदौर के खजराना में किराए से रहने वाली युवती के साथ रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने युवती को ब्लैकमेल कर 2 लाख रुपए भी ऐंठ लिए। पीड़िता और आरोपी की पहचान मेट्रिमोनियल साइट्स से हुई थी। विजयनगर पुलिस ने 28 साल की युवती की शिकायत पर वैभव पुत्र धनंजय चव्हाण, निवासी यमुना नगर, मलकापुर आकोला के खिलाफ रेप और ब्लैकमेल करने के मामले में केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक विजयनगर के पृथ्वीराज होटल में आरोपी ने रेप किया था। वहीं वीडियो बनाकर युवती से 2 लाख रुपए भी वसूले। पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि शादी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। अप्रैल 2024 में साइट के जरिए वैभव से संपर्क हुआ। इसके बाद मोबाइल पर सामान्य बातचीत हुई। उसने कहा कि जून में मिलने इंदौर आएगा। जून में वह पृथ्वीराज होटल विजयनगर में आया। यहां वैभव ने बातचीत में टच किया, तो उसे रोका दिया। कहा कि शादी के बाद ही सब कुछ करेंगे। इसके बाद वैभव बातचीत कर चला गया। कुछ दिनों बाद फिर से इंदौर आया और इसी होटल में मिलने बुलाया। यहां पर उसने जूस में नशा मिलाकर पीला दिया। बेहोशी की हालत में रेप किया। होश आने पर उसने जान से मारने की धमकी दी। उसे थाने जाने की धमकी दी तो वह शादी की बात करने लगा। इसलिए तब उसकी शिकायत नहीं की। इसके बाद वह किराए के रूम पर आने लगा। यहां कई बार सहमति से संबंध बनाए। बिना जानकारी के मोबाइल से फोटो ले लिए। इसके बाद वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। ऑनलाइन और कैश मिलाकर उसने करीब 2 लाख रुपए ले लिए। बाद में वैभव 1 लाख रुपए और मांगने लगा। पीड़िता ने अपने परिवार से बात की। इसके बाद आरोपी के खिलाफ बुधवार को थाने आकर केस दर्ज कराया। पुलिस अब इस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है।

निः शुल्क घुटना प्रत्यारोपण शिविर का हुआ शुभारंभ, 216 मरीजों का चयन

इंदौर। स्वर्णिम फाउंडेशन, आरोग्य भारती मालवा प्रांत, श्री सांईबाबा मंदिर संस्थान छत्रीबाग एवं नीमा ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क घुटना प्रत्यारोपण शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि नगर कमिश्नर शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर रिंकेशकुमार वैश्य एवं गौशालाओं के उन्नयन कर्ता स्वामी अच्युतानंद महाराज, वीरेंद्र कुमार रेखा जैन, डॉ प्रमोद पी नीमा,सुनीलकुमार जैन, विवेक शारदा जैन, डॉ लोकेश जोशी ने किया।

स्वागत भाषण देते हुए स्वर्णिम फाउंडेशन के संस्थापक वीरेंद्र कुमार जैन ने कहा कि यह हमारा पांचवां कैंप है जिसमें 306 मरीज आए। उसमें से 216 मरीजों का चयन किया गया । पूर्व में 429 निः शुल्क घुटना प्रत्यारोपण कर चुके हैं ।

मुख्य अतिथि शिवम वर्मा ने सराहना करते हुए कहा कि चलने फिरने की असहनीय तकलीफ को दूर करने का अभियान स्तुत्य है । यह कार्य समाज को एक नई दिशा देता है । अपर कलेक्टर रिंकेशकुमार वैश्य ने अपने संबोधन में कहा कि जो बुजुर्ग घुटना दर्द की वजह से उठ बैठ नहीं पाते हैं, अपने दैनिक कार्य करने में तकलीफ महसूस करते हैं, उनके घुटने प्रत्यारोपण से उनका जीवन खुशहाल हो जाएगा ।

डॉ प्रमोद पी नीमा ने घुटना प्रत्यारोपण की तकनीकी जानकारी देते हुए पोस्ट सर्जरी क्या सावधानियां रखनी चाहिए उसकी विस्तृत जानकारी दी । विशेष सहयोगी श्री सांईबाबा मंदिर संस्थान छत्रीबाग के अध्यक्ष सुनील कुमार जैन एवं ट्रस्टियों का अतिथियों ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया । स्वामी अच्युतानंद महाराज ने कहा कि कटे फटे होंठों की सर्जरी, दिव्यांगो की सर्जरी और ये घुटना प्रत्यारोपण सभी तरह की मानव सेवा प्रभु सेवा के तुल्य हैं । सुनील कुमार जैन बतलाया कि श्री सांईबाबा मंदिर संस्थान में इंदौर में सबसे कम रेट में सोनोग्राफी, एक्सरे एवं ब्लड से संबंधित जाँच होती है । डॉ लोकेश जोशी ने कहा कि शुरू से ही योगासन करें तो स्वस्थ्य रहेंगे। संचालन रेखा जैन ने किया । आभार स्वर्णिम फाउंडेशन के अध्यक्ष विवेक शारदा जैन ने किया।

नगर निगम कर्मचारी को आयशर वाहन ने मारी टक्कर, मौत

इंदौर। हातोद रोड पर हुए एक दर्दनाक हादसे में नगर निगम के एक जोन के वाहन प्रभारी की मौत हो गई। हीरानगर इलाके में रहने वाले निगम प्रभारी बुधवार शाम अपनी बाइक से खेत से घर की तरफ जा रहे थे। जाते समय रास्ते में उन्हें एक आयशर गाड़ी ने टक्कर मार दी। आसपास के राहगीरों ने उन्हें तुरंत उपचार के लिए एमवाय भेजा। यहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने बताया कि वे नहीं रहे। परिजन ने टक्कर मारने वाली गाड़ी की जानकारी पुलिस को दे दी है। इसके आधार पर पुलिस मामले में जांच कर रही है।एमवाय चौकी पुलिस के मुताबिक घटना इंदौर हातोद रोड की है। राहुल नगर निगम के 8 नंबर जोन विजयनगर में वाहन प्रभारी के पद पर काम करते थे। राहुल (35) पुत्र पर्वत सिंह निवासी भानगढ़ अपने पुश्तैनी गांव फुलकराड़िया पहुंचे थे। शाम को वह यहां से बाइक से भानगढ़ जाने के लिए निकले थे। रास्ते में उन्हें एक आयशर वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें उनकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बताया कि राहुल के परिवार में उनका एक बेटा और दो बेटी हैं। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनका एक घर हीरानगर में है, जबकि फुलकराड़िया में पिता रहते हैं। यहीं पर उनका खेत भी है।

प्लेन हादसे के बाद मप्र में भाजपा संगठन और सरकार के सभी कार्यक्रम निरस्त

इंदौर। अहमदबाद में हुए विमान हादसे के बाद मप्र में बीजेपी संगठन और सरकार ने आज के सभी कार्यक्रम कैंसिल कर दिए हैं। प्रदेश के कई जिलों में आज बीजेपी की जिला ईकाईयों द्वारा प्रोफेशनल मीट के आयोजन किए जाने थे। कुछ जिलों में संकल्प से सिद्धि की प्रेस कॉन्फ्रेंस भी प्रस्तावित थीं। लेकिन, विमान हादसे के चलते कार्यक्रम कैंसिल किए गए हैं। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शाम 6 बजे प्रोफेशनल्स मीट में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने वाले थे। विमान हादसे की घटना के बाद ठाकरे सभागार में होने वाली प्रोफेशनल्स मीट कैंसिल कर दी गई है। देवास में होने वाली प्रोफेशनल्स मीट में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी डॉ महेन्द्र सिंह और ग्वालियर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को शामिल होना था। ये कार्यक्रम भी कैंसिल कर दिए गए हैं। एमपी बीजेपी की ओर से ट्वीट में लिखा गया- अहमदाबाद विमान हादसे के कारण गुरुवार को आयोजित होने वाले भाजपा के सभी संगठनात्मक कार्यक्रम निरस्त किये गए हैं। सीएम डॉ मोहन यादव ने विमान हादसे पर ट्वीट कर शोक जताया। सीएम ने पर लिखा- अहमदाबाद में यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, घटना के समय पत्नी बाहर बैठी थी

इंदौर। पीथमपुर के प्रीति नगर सेक्टर एक में रहने वाले 30 वर्षीय वीरेंद्र उर्फ नीलकमल कुमावत ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 11 जून की शाम 8 बजे की है। घटना के समय मृतक की पत्नी अनिता मकान के बाहर बैठी थी और उनके दोनों बच्चे रुद्र और विवान गली में खेल रहे थे। जब अनिता कमरे पर गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर उन्होंने जोर से धक्का मारा, जिससे कुंडी खुल गई। अंदर जाकर देखा तो वीरेन्द्र खिड़की पर कपड़े सुखाने की रस्सी से फंदा लगाकर लटके हुए थे। अनिता ने तुरंत पड़ोसियों की मदद से रस्सी खोली और सभी ने मिलकर वीरेन्द्र को निजी वाहन से सरकारी अस्पताल पीथमपुर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुकेश बनकर यूसुफ ने की महिला से दोस्ती, फिर किया रेप

इंदौर। शहर के कनाड़िया क्षेत्र में एक युवती के साथ नकली पहचान से दोस्ती कर दुष्कर्म और जबरन धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को मुकेश बताकर पहले युवती से नजदीकियां बढ़ाईं, फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी की असली पहचान यूसुफ खान निकली। बुधवार को हिंदूवादी कार्यकर्ताओं ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ा और जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। कनाड़िया थाना पुलिस ने 25 वर्षीय युवती की शिकायत पर मुकेश उर्फ यूसुफ पुत्र अय्यूब खान निवासी खजराना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (दुष्कर्म), 323 (मारपीट), 506 (धमकी) और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

युवती ने पुलिस को बताया कि वह मूलतः उज्जैन की रहने वाली है और वर्तमान में इंदौर की स्कीम नंबर 78 में एक डॉक्टर के यहां काम करती है। डेढ़ साल पहले वह एक सहेली की बर्थडे पार्टी में राउ स्थित एक ढाबे पर गई थी, जहां उसकी मुलाकात यूसुफ से हुई। उसने अपना नाम मुकेश बताया और फोन नंबर देकर किसी भी मदद के लिए संपर्क करने को कहा।

धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। आरोपी युवती को अलग-अलग कारों से इंदौर में घुमाने लगा और मिलने उसके फ्लैट आने-जाने लगा। उसने उसे शादी का प्रस्ताव भी दिया और कहा कि वह नौकरी छोड़ दे, उसका सारा खर्च वही उठाएगा। कुछ समय बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बन गए।

कुछ दिन पहले फ्लैट में शराब पार्टी के दौरान युवती को यूसुफ पर तब शक हुआ, जब उसका एक दोस्त उसे साहिल कहकर बुला रहा था। संदेह होने पर युवती ने उसका पर्स चुपके से देखा, जिसमें यूसुफ खान नाम की आईडी मिली। जब युवती ने उससे जवाब मांगा, तो आरोपी ने खुलासा किया कि वह मुस्लिम है और शादी के लिए युवती को धर्म परिवर्तन करना होगा। इंकार करने पर आरोपी ने मारपीट की और उसके फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

घबराई युवती ने इस बात की जानकारी हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता मानसिंह राजावत और अंकित विश्वकर्मा को दी। इसके बाद दोनों ने युवती के साथ मिलकर आरोपी को फ्लैट से पकड़ा और कनाड़िया पुलिस को सौंप दिया।

स्वास्थ्य विभाग की धीमी गति से चल रही भर्ती प्रक्रिया

एसईबी ने एक साल में केवल एक परीक्षा की आयोजित

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एक साल पहले 11 जून को कैबिनेट ने स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, बुधवार को 1 साल पूरा हो गया लेकिन अभी तक केवल एक भर्ती की परीक्षा हो पाई है। जबिक 3 साल के भीतर भर्ती पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला हर15 दिन में विभागीय समीक्षा में अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया के संबंध में निर्देश देते हैं। कर्मचारी चयन मंडल (एसईबी) ने फरवरी में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। इसके बाद अभी तक कोई परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। जबिक विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया तय समय में पूरी कर ली जाएगी। इस पर जोरों से काम चल रहा है।

तीन साल में पूरी होनी है भर्ती

अस्पतालों में कर्मचारियों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पूरी करने के लिए स्वास्थ्य विभाग में 46 हजार 491 नए पदों का सृजन कर उन पर भर्ती के प्रस्ताव को

कैबिनेट में मंजूरी दी थी। प्रस्ताव के अनुसार अस्पतालों में पैरामेडिकल स्टाफ, तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी की भर्ती की जानी है। कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया था कि इनमें से 18,653 पदों की पूर्ति 3 वर्ष में की जाएगी। शेष 27,828 पदों की पूर्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से होगी।

इसके अलावा कैबिनेट में विशेषज्ञ चिकित्सकों के रिक्त पड़े 1214 पदों में से 607 पद सीधी भर्ती से भरने और शेष पद मप्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरने का निर्णय लिया गया था। कर्मचारी चयन मंडल ने फरवरी में नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के 2267 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में भर्ती के लिए अन्य कोई परीक्षा नहीं हुई।

प्रदेश अस्पतालों स्टाफ की भारी कमी

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में स्टॉफ की भारी कमी है। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन स्टाफ नहीं बढ़ पा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की संख्या के अनुपात में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ नहीं होने से मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। इससे कई बार मरीजों को मजबूरी में प्रायवेट अस्पतालों में जाना पड़ता है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक अस्तपालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाते रहते हैं।

तय समय में होंगी सभी परीक्षाएं

एसईबी के डायरेक्टर संकेत मालवीय ने बताया कि सभी विभाग के लिए होने वाली परीक्षाएं तय समय पर की जाएंगी। स्वास्थ्य विभाग की अभी केवल एक परीक्षा आयोजित की गई है। दूसरी परीक्षाएं भी जल्द ही आयोजित की जाएंगी।

मप्र का पहला मछली उत्पादन और प्रसंस्करण क्लस्टर हलाली में बनेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मत्स्य संपदा योजना में भोपाल के पास हलाली में बनने वाला मध्य प्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का उद्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केंद्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उद्घाटन करेंगे। देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केंद्री सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियां नहीं करते हैं।

देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री होंगे शामिल

इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग लेंगे। राष्ट्रीय बैठक में मध्य प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री नारायण सिंह पवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केंद्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे।

राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी सत्र भी होंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निदेर्शानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिये इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी आयोजित होंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं सीएआक-सीआईएफआरआई, (सीएआर-सीआईएफए, एनएफडीबी) की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेंटेशन दिए जाएंगे। तकनीकी-सत्रों में जलाशय पट्टा नीति, नदी और तालाबों में आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन और ठंडे पानी

में मछली पालन की संभावनाओं जैसे विषय भी शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए जाएंगे, जिनमें मत्स्य सहकारी समितियों, मछुआरा उत्पादक संगठन, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप्स एवं परंपरागत मछुआरे भी शामिल हैं। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड और जलीय कृषि बीमा भी उपलब्ध कराया जायेगा। इसका उद्देश्य मछुआरों को बीमा और डिजिटल एक्सेस देना है।

संबल योजना के अनुग्रह सहायता के 150 करोड़ रुपए सीएम आज भेजेंगे खातों में

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। शुक्रवार को जबलपुर के बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। योजना के अंतर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है। योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं।संबल योजना में जहां एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिए जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिए संपूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारंभ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत समस्त लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है, जिससे वे केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं। संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। वास्तविक अर्थों में यह श्रमिकों का संबल है, जिसे लागू करने का श्रेय प्रदेश की सरकार को है। मध्यप्रदेश की यह योजना देश के सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के लाखों निर्माण श्रमिकों के लिए भी निर्माण मंडल के माध्यम से कई योजनाएं संचालित की जाती हैं, इनमें निर्माण श्रमिकों की मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता तथा स्थायी एवं आंशिक अपंगता पर सहायता भी सम्मिलित है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामय योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, उन्हें पांच लाख रुपये वार्षिक निःशुल्क चिकित्सा का लाभ मिल रहा हैं।

कोलार में छात्रा की संदिग्ध मौत छठी मंजिल से गिरकर गई जान

भोपाल। कोलार इलाके में बीती रात विराशा हाईट्स की छठवीं मंजिल से एक स्कूली छात्रा संदिग्ध हालत में नीचे जा गिरी। उसे इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। फिलहाल घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान होने के बाद ही पता चल पाएगा कि छात्रा किन कारणों से नीचे गिरी थी।जानकारी के अनुसार विराशा हाईट्स कोलार रोड निवासी अंबिका सिंह (16) स्कूली छात्रा थी, जबकि उसके पिता एक टेलीकाम कंपनी में नौकरी करते हैं। बुधवार की रात वह कोचिंग से घर लौटी थी। उसके बाद वह बिल्डिंग की सीढ़ियों पर चढ़ने-उतरने लगी। दरअसल अंबिका रोजाना व्यायाम के लिए सीढ़ियों पर चढ़ती और उतरती थी। रात करीब दस बजे वह अचानक बिल्डिंग की छठवीं मंजिल से नीचे जा गिरी, जिससे उसे गंभीर चोट आई थी। परिजन उसे इलाज के लिए चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अभी परिजनों के बयान नहीं हो पाए हैं। जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि छात्रा किन परिस्थितियों में नीचे गिरी थी।

इधर रातीबड़ इलाके में छत से गिरकर घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दिलीप विश्वकर्मा (30) मूलतः सिवनी के रहने वाले हैं। पिछले दिनों वह रातीबड़ में रहने वाली अपनी साली के घर किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। इस दौरान वह मकान की छत से नीचे गिरकर घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान दिलीप ने दम तोड़ दिया।

सांसद की पटवारियों की तबादला लिस्ट पर अभी अधूरी है कार्रवाई!

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। 20 सितंबर को प्रभारी मंत्री और सांसद की नाराजगी झेल चुके 33 पटवारियों का तबादला कर दिया गया है। यह पटवारी 3 साल से एक तहसील में जमे थे। इसके साथ ही 4 राजस्व निरीक्षकों के भी तबादले किये गए हैं। यह आदेश मंगलवार को भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जारी किया है।

तबादला किए गए पटवारी आरआई को एक तहसील या हल्के से दूसरी तहसील में भेजा गया है।दरअसल, भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने करीब 8 महीने पहले प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप के सामने बैठक में यह मुद्दा उठाया था। उस दौरान सांसद शर्मा ने पटवारियों की लिस्ट कलेक्टर को सौंपी थी। हालांकि यह ताज्जुब का विषय है कि लिस्ट के अनुसार आधे भी पटवारी नहीं हटाए गए हैं। उस समय कुल 183 पटवारी और राजस्व निरीक्षक की लिस्ट तैयार की गई थी।दिलचस्प बात यह है कि भोपाल जिले की कई तहसीलों में 23 साल से एक ही पटवारी पदस्थ हैं। सांसद आलोक शर्मा की सूची के अनुसार जिन पटवारियों को एक ही तहसील में 23 साल हो चुके हैं, उनमें भगवत सिंह धनगर, नरेंद्र बचोतिया, योगेंद्र कुमार सक्सेना, धर्मेंद्र सिंह कुशवाह, नासिर उद्दीन, महेश कुमार बंकरिया, मनोहर सिंह राजपूत, नई अहमद, सदाशिव गौड़, रेणू पटेल, नीलिमा नागर, रमेश शर्मा, प्रदीप गौर, अर्चना भटनागर, जयेंद्र चंदेलकर, मंगलेश खंडेलवाल, मुकुल सराठे, प्रियंका सिलावट, दीक्षा शर्मा, अभिषेक शर्मा, अंकुर साहू, शिवाजी मिश्रा, आलोक इंदौरिया, प्रीति गुप्ता आदि के नाम हैं। इन्हीं नामों में से कई के नाम मंगलवार को जारी हुई लिस्ट में हैं, लेकिन कई नाम नदारद हैं। आपको बता दें कि हुजूर तहसील में 104, बैरसिया तहसील में 103 और कोलार तहसील में 24 पटवारी हल्के है। करीब 9 महीने पहले 20 सितंबर को भोपाल के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप पहली समीक्षा बैठक ले रहे थे। इसी दौरान भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने उन्हें 3 साल या इससे अधिक समय से एक ही हल्के में जमे पटवारियों की लिस्ट सौंपी थी। उन्होंने आरोप लगाए थे कि कई आरआई और पटवारी तो एक ही हल्के में 8 से 15 साल से जमे हैं। कुछ को 23 साल तक हो चुके हैं।

एडिशनल डीसीपी का सोशल मीडिया अकांउट चला रहा था नाबालिग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। हम आए दिन देखते रहते हैं कि साइबर अपराधी किसी नागरिक की फेक आईडी बनाकर अपराध को अंजाम देते हैं। लेकिन अगर कोई पुलिस के बड़े अफसर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त की फेक आईडी बनाकर लूटपाट करे तो इसे क्या कहा जायेगा? वह भी जब अधिकारी क्राइम ब्रांच में हो। हैरान कर देने वाला यह मामला भोपाल में सामने आया है, जहां पर क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यानी एडिनशनल डीसीपी के नाम और फोटो का उपयोग करके फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाई गई। इन साइबर ठगों के खिलाफ क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने बड़ी कार्रवाई की है।इस टीम ने राजस्थान के अलवर से शातिर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। कमाल की बात यह है कि इनमें से एक नाबालिग है, वहीं दूसरा आरोपी पीओएस एजेंट है। पुलिस के अनुसार इस गिरोह ने सिम कार्ड के फजीर्वाड़े के जरिए फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बना ली थी। इसका इस्तेमाल लोगों को गुमराह करने और संभावित धोखाधड़ी के लिए किया जा रहा था। पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस को यह जानकारी लगी कि किसी ने अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त क्राइम ब्रांच भोपाल की फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बना ली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी गई। जांच में यह बात सामने आई है कि सबसे पहले एक नाबालिग लड़के के नाम पर सिम कार्ड चालू कराया गया है। इसके लिए पीओएस एजेंट बीरबल प्रजापत ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर 1500 रुपए दिए और उससे सिम एक्टिवेट करा ली। इसके बाद में यही सिम 3000 रुपए में एक साइबर ठग को बेच दी। इसी सिम के माध्यम से फर्जी फेसबुक प्रोफाइल चलाई जा रही थी। जांच में पता चला कि यह आईडी राजस्थान के अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र से चलाई जा रही है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी बीरबल प्रजापत (40 वर्ष) और नाबालिग को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपराध कबूल कर लिया है। पुलिस जांच में जुटी है।

जुलाई के तीसरे हफ्ते में मानसून सत्र संभावित, ई-विधान की तैयारियां जोरों पर

भोपाल। विधानसभा का मानसून सत्र जुलाई के तीसरे या चौथे सत्र में शुरू होगा। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच चर्चा के बाद सत्र की अवधि और सत्र शुरू करने की तारीख फाइनल होगा। इस बार विधानसभा में ई-विधान के जरिये पूरी कार्यवाही की जानी है, इसके लिए भी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने कहा कि ई-विधान को लेकर विधानसभा सचिवालय विभागीय तौर पर तेजी से काम कर रहा है और पिछले दिनों एनईवीए को लेकर विधानसभा में एनआईसी की ओर से प्रजेंटेशन दिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष और विधानसभा के अफसरों को अब तक की तैयारियों के बारे में अवगत कराया गया है। ई-विधान की तैयारियों के बीच विधानसभा सचिवालय द्वारा 35 आल इन वन कम्प्यूटर खरीदे जाएंगे। आल इन वन कम्प्यूटर में सीपीयू, मॉनिटर, बैटरी बैकअप, स्पीकर सभी एक साथ होते हैं। इसके लिए अलग से पार्ट्स की खरीदी नहीं करनी पड़ती है। यह 35 कम्प्यूटर विधानसभा सत्र की कार्यवाही के दौरान उपयोग किए जाएंगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने जेम पोर्टल के माध्यम से टेंडर बुलाए हैं जो 18 जून को खोले जाएंगे। ई-विधान भारत सरकार की मिशन मोड परियोजना है जो सभी राज्य विधान मंडलों को डिजिटल और कागज रहित बनाने के लिए डिजाइन की गई है। इसका उद्देश्य सभी राज्य विधान मंडलों को पेपरलेस करना, विधायी प्रक्रिया को ऑनलाइन करना है।

मछली पालन टेंडर में गड़बड़ी का आरोप, सीजीएम बोले- जांच कमेटी बने

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। प्रदेश के टीकमगढ़ जिले में 25 करोड़ रुपये के मछली के ठेके के टेंडर में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि वानसुजारा तालाब में मछली के ठेके के लिए जारी टेंडर की शर्तों को ताक पर रखकर एक खास फर्म को फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध और शिकायत के बाद भी अधिकारियों ने संबंधित फर्म के आवेदन को स्वीकार कर तकनीकी निविदा में पास कर दिया, जिससे पूरे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, टीकमगढ़ के वानसुजारा तालाब में मछली का ठेका लेने का टेंडर भरने की अंतिम तिथि 19 मई थी, जिसमें कुल सात आवेदकों ने हिस्सा लिया। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यदि किसी कंपनी द्वारा आवेदन किया जाता है तो कंपनी के दस्तावेज अनिवार्य हैं, जबकि व्यक्तिगत आवेदन पर व्यक्तिगत दस्तावेजों की जरूरत होती है। 20 मई को जब टेंडर खोले गए, तो एक फर्म मेसर्स चौधरी फिश सेंटर

द्वारा कंपनी के रूप में आवेदन किया गया, लेकिन उसके साथ जो दस्तावेज जमा किए गए, वे किसी नईम नामक व्यक्ति के थे। यह शर्तों का सीधा उल्लंघन था।

पहले आवेदन निरस्त करने की बात, फिर अचानक मंजूरी

इस गड़बड़ी का अन्य प्रतिभागियों ने कड़ा विरोध किया। टेंडर समिति ने पहले संबंधित आवेदन को निरस्त करने की बात कही, लेकिन दो दिन बाद उस फर्म का फॉर्म स्वीकार कर उसे तकनीकी रूप से सही बता दिया गया। इतना ही नहीं, उसी फर्म से जुड़े तीन टेंडर भी डाले गए, जिससे संदेह और गहरा हो गया।

सीजीएम और एमडी के बयान विरोधाभासी

इस मामले पर मत्स्य महासंघ के सीजीएम रवि गजभिये ने कहा है कि शिकायत पर एमडी मैडम ने जांच कमेटी गठित कर दी है। वहीं, एमडी निधि निवेदिता का कहना है कि जब टेंडर की तकनीकी निविदा खोली गई तो शिकायत आई थी, जिसके बाद सीए से अभिमत लेकर आगे की कार्रवाई की गई। वहीं, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग की एमडी निवेदिता ने कहा कि ह्यकंपनी का नाम लिखा था, लेकिन दस्तावेज व्यक्ति के लगे थे। हमने सीएस से अभिमत लेकर कार्रवाई की है। एमडी और सीजीएम के ये विरोधाभासी बयान मामले को और उलझा रहे हैं और गड़बड़ी की आशंका को बल दे रहे हैं।

शिकायतकर्ता बोले- कार्रवाई नहीं हुई तो जाएंगे कोर्ट

इस पूरे प्रकरण की शिकायत करने वाली मेसर्स यश इंटरप्राइजेस के राजेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की सूचना दी है। साथ ही मुख्यमंत्री कार्यालय को भी पूरी गड़बड़ी से अवगत करा रहे हैं। यदि मामले में कार्रवाई नहीं हुई, तो न्यायालय की शरण में जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

सम्पादकीय

भारत की औसत जन्मदर गिरने पर यूएन को चिंता ने सताया

भारत फिलहाल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क है। भारत की मौजूदा जनसंख्या 1.5 अरब के करीब है। यह आबादी बहुत अधिक प्रतीत होती है और इसके चलते संसाधनों के लिए संघर्ष की स्थिति बढ़ रही है। यही नहीं यह आबादी बढ़कर अगले दो दशकों में 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद भारत की आबादी में तेजी से गिरावट का डर है और इसी बात को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन जनसंख्या कोष की ओर से तैयार एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 40 साल बाद यानी 2065 से भारत की आबादी में गिरावट आने लगेगी।

भारत फिलहाल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क है। भारत की मौजूदा जनसंख्या 1.5 अरब के करीब है। यह आबादी बहुत अधिक प्रतीत होती है और इसके चलते संसाधनों के लिए संघर्ष की स्थिति बढ़ रही है। यही नहीं यह आबादी बढ़कर अगले दो दशकों में 1.7 अरब तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद भारत की आबादी में तेजी से गिरावट का डर है और इसी बात को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। यूएन जनसंख्या कोष की ओर से तैयार एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 40 साल बाद यानी 2065 से भारत की आबादी में गिरावट आने लगेगी। यह चिंता इसलिए भी सही लग रही है क्योंकि भारत में औसत जन्मदर 1.9 पर आ गई है, जो कि रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या विज्ञानियों के अनुसार रिप्लेसमेंट लेवल बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रति महिला औसतन जन्मदर 2.1 रहे। फिलहाल भारत की आबादी काफी अधिक है और ऐसे में जन्मदर घटने से भी आबादी कम होने का संकट नहीं है। किंतु मौजूदा पीढ़ी के गुजरने के बाद यह संकट प्रत्यक्ष तौर पर दिखाई देगा। जानकार मानते हैं कि फिलहाल आबादी का विकास गुणात्मक नहीं है बल्कि घनात्मक है। यदि जन्मदर इसी तरह कम होती रही तो फिर आबादी की ग्रोथ निगेटिव में जा सकती है। ऐसी स्थिति लगभग 2065 तक आ सकती है। यही चिंता संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट में व्यक्त की गई है। यह रिपोर्ट भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया जैसे 14 देशों पर तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की आबादी 1960 में 43 करोड़ थी और तब प्रति महिला औसतन 6 बच्चों को जन्म दे रही थी। किंतु अब स्थिति बदल गई है। स्कूली शिक्षा के प्रसार, परिवार नियोजन के उपायों के प्रति जागरूकता और सुविधाएं जुटाने के आकर्षण के चलते महिलाएं कम बच्चे पैदा कर रही हैं। बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं, जो एक ही बच्चा पैदा करना चाहती हैं। फिलहाल भारत में एक महिला औसतन 2 बच्चों को ही जन्म दे रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बिहार के एक परिवार की तीन पीढ़ी की महिलाओं का सर्वे किया गया है। इस सर्वे में जिस 64 साल की महिला सरस्वती देवी को शामिल किया गया है, वह कहती हैं कि उनकी पीढ़ी में परिवार नियोजन के उपायों पर चर्चा ही नहीं होती थी। यहां तक कि बड़े परिवार को भगवान का आशीर्वाद माना जाता था। सरस्वती के भी 5 बेटे हुए। वह कहती हैं कि उस दौर में जिसके कम बच्चे होते थे, उसको लेकर माना जाता था कि शायद किसी बीमारी के चलते ऐसा हुआ है। वह कहती हैं कि मैंने जब सोचा कि अब बच्चे पैदा न किए जाएं तो मेरी सास कहती थीं कि ऐसा करना गलत होगा।इसी सर्वे में सरस्वती देवी की बहू अनीता को भी शामिल किया गया है। 42 साल की अनीता कहती हैं कि मेरी शादी 18 साल की उम्र में हुई थी। वे कहती हैं कि मेरे 6 बच्चे हैं और मैं इतने पैदा नहीं करना चाहती थी। इतने बच्चे इसलिए हुए क्योंकि पति और सास बेटा चाहते थे। इस तरह दिखता है कि कैसे सोच में बदलाव आया। यही नहीं अनीता की बेटी पूजा जो फिलहाल 26 साल की हैं, उसका कहना है कि वह दो से ज्यादा बच्चे पैदा नहीं करेगी। इसकी वजह यह है कि वह सभी को बेहतर सुविधा देना चाहती हैं। वहीं प्यू रिसर्च की ताजा रिपोर्ट को देखें तो पता चलता है कि दुनिया में मुसलमानों की आबादी में सबसे ज्यादा तेजी से इजाफा हुआ है। हालांकि दुनिया में अब भी सबसे अधिक आबादी ईसाइयों की है, लेकिन उनकी जनसंख्या की ग्रोथ में कमी आई है। इसके अलावा दुनिया में उनकी आबादी का अनुपात 2010 के मुकाबले 1.8 फीसदी कम हुई है। फिलहाल दुनिया में ईसाई आबादी 2.3 अरब है और पूरी दुनिया की जनसंख्या में इनकी 28.8 पर्सेंट की हिस्सेदारी है। इस तरह ईसाइयों की आबादी का अनुपात कम हुआ तो वहीं मुस्लिमों की जनसंख्या का प्रतिशत दुनिया में 1.8 फीसदी ही बढ़ गया है।फिलहाल दुनिया में मुसलमानों की आबादी 25.6 फीसदी है और कुल जनसंख्या 2 अरब है। माना जा रहा है कि जल्दी ही दुनियाभर में मुसलमानों की आबादी ईसाइयों को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा होगी। इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया का एकमात्र धर्म बौद्ध है, जिसकी आबादी में कमी आई है। 2010 में बौद्धों की आबादी में 1.9 करोड़ की कमी आई है। इसके चलते दुनिया की आबादी में बौद्धों का अनुपात 0.8 फीसदी घटकर 4.1 पर्सेंट ही रह गया है। इस तरह भारत में पैदा हुए बौद्ध धर्म के लोगों की संख्या बढ़ने की बजाय कम हो रही है। इसकी एक वजह जन्मदर का कम होना है तो दूसरा कारण धर्म से विमुख होना भी है। बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो अपने जन्म के धर्म को छोड़ रहे हैं। अब बात हिंदुओं की करें तो उनकी आबादी में वैश्विक औसत के बराबर ही इजाफा हुआ है।

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के पीएम मोदी के 11 साल

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। नरेंद्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं।

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है, यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 11 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे। नरेंद्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म, प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में जी वाय ए एन को रखा है। जी का तात्पर्य गरीब, वाय तात्पर्य युवा, ए का तात्पर्य अन्नदाता किसान और एन का तात्पर्य नारी, वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

केंद्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत हुई। पिछले 11 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत लगभग 12 करोड़ शौचालय बन चुके हैं। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत लगभग 10 करोड़ गैस कनेक्शन निःशुल्क दिये गये हैं। पिछले 5 वर्षों में जल जीवन मिशन के तहत 12 करोड़ परिवारों के घरों में नल से जल देने का काम पूरा हुआ है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को 4 करोड़ घर मिल चुके हैं। देश के 80 करोड़ जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च 2025 तक कुल 55.02 करोड़ जन-धन खाते देश में खोले जा चुके हैं। इन्हीं सब प्रयासों की वजह से 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है। मार्च 2025 तक समर्थ पोर्टल पर लगभग 5 लाख उपयोगकर्ता पंजीकृत हुये, जिनमें से 77 प्रतिशत युवाओं को प्लेसमेंट मिल चुका है। स्टार्टअप इंडिया के तहत 16 लाख लोगों को प्रत्यक्ष नौकरियां मिली हैं और नौजवान इन योजनाओं से प्रभावित होकर स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत् फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीने में दो हजार रुपये पहुचाये जाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से करीब साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये सीधे किसान के खातों में पहुंचे हैं। पीएम फसल बीमा योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपये किसानों को मिले हैं। किसानों को सस्ते दामों में खाद मिले, इस दिशा में पिछले दस सालों में बारह लाख करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं। दलहन, तिलहन और नारियल की खरीद के लिए सरकारी गारंटी बढ़ाकर 45,000 करोड़ रुपये कर दी गई है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) और कृषोन्नति योजना (केवाई) का बजट 1,01,321.61 करोड़ रुपये कर दिया है। आज भारत दूध और मसालों के उत्पादन में विश्व में नम्बर 1 पर है। भारत सरकार ने 2817 करोड़ रुपए डिजिटल कृषि मिशन के लिए स्वीकृत किये हैं।

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। स्टैंडअप इंडिया से 81ल महिलाएं उद्यमी बनीं। मुद्रा योजना से 68ल महिलाएं लाभार्थी हुईं। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

केंद्र सरकार ने देश में लगभग 1 लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। कोरोना काल में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त कर दी गई। धारा- 370 को हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है। आज स्थिति यह है कि जम्मू-कश्मीर के नागरिक आतंकियों की गतिविधियों के पुरजोर विरोध में खड़े हुये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान के हुक्मरानों, पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके द्वारा पोषित आतंकवादी संगठनों ने भारत में समय-समय पर आतंकवादी हमले किये हैं, जिसमें निर्दोष भारतीयों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया।

केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॉर मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट जो वर्ष 2014 में 46,429 करोड़ रुपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ हो चुका है। मेक इन इंडिया, डिफेंस स्टार्टअप की बदौलत रक्षा उत्पादन के मामलों में भारत आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे, वहीं अब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। भारत का रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रुपये का था, जो बढ़कर 23,000 करोड़ रुपये हो गया है।

नया भारत विकसित भारत हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्री की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है।

रन्तिदेव ने कहा था -

न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्ग न पुनर्भवम्।
कामये दुःख तातानां, प्राणिनामार्तिं नाशनम्।।

अर्थात् - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं।

इसी भावना से स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में सन्नद्ध व संकल्पबद्ध हैं।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : एक दोहरी त्रासदी और इसके दूरगामी परिणाम

यह पहली बार था जब अहमदाबाद के इतिहास में इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इसने न केवल विमानन सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि हवाई अड्डों के आसपास बस्तियों के अनियोजित विस्तार को भी एक गंभीर चिंता का विषय बना दिया।

अहमदाबाद के मेघानी नगर के लिए 12 जून 2025 की दोपहर एक काला दिन बन गया, जब एयर इंडिया की फ्लाइट AI171, एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर, टेकऑफ के महज पांच मिनट बाद एक घनी आबादी वाले रिहायशी क्षेत्र में क्रैश हो गई। यह दुर्घटना अपने आप में एक दोहरी त्रासदी थी—विमान में सवार 242 लोगों (230 यात्री और 12 क्रू मेंबर) में से अधिकांश की जान चली गई, और जमीन पर मेघानी नगर के बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर्स में पांच मेडिकल स्टूडेंट्स सहित कई लोग मारे गए।यह अहमदाबाद के इतिहास में पहली बार था जब इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इस हादसे ने न केवल मानवीय क्षति की भयावहता को उजागर किया, बल्कि तेजी से बढ़ती विमानन सेवाओं और शहरीकरण के बीच सुरक्षा के अनसुलझे सवालों को भी सामने लाया।इस हादसे की सबसे बड़ी त्रासदी इसकी दोहरी प्रकृति है। पहला, विमान में सवार 242 लोगों में से केवल एक यात्री, विशवास कुमार रमेश, चमत्कारिक रूप से बच पाया। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी जैसे प्रमुख व्यक्तियों की मृत्यु ने इस हादसे को और गंभीर बना दिया। दूसरा, विमान का मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में गिरना, जहां बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल और स्टाफ क्वार्टर्स जैसी संवेदनशील संरचनाएं थीं, ने जमीन पर भी भारी तबाही मचाई। पुलिस कमिश्नर जी.एस. मलिक के अनुसार, 204 शव बरामद किए गए, जिनमें विमान के यात्री और जमीन पर मौजूद लोग शामिल थे। पांच मेडिकल स्टूडेंट्स की मौत और कई अन्य के घायल होने ने इस हादसे को और भी दुखद बना दिया।

यह पहली बार था जब अहमदाबाद के इतिहास में इतनी घनी आबादी वाले क्षेत्र में विमान दुर्घटना हुई। इसने न केवल विमानन सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि हवाई अड्डों के आसपास बस्तियों के अनियोजित विस्तार को भी एक गंभीर चिंता का विषय बना दिया।

भारत में विमानन उद्योग पिछले कुछ दशकों में अभूतपूर्व गति से बढ़ा है। सरकार की उड़ान योजना और निजी एयरलाइंस के विस्तार ने हवाई यात्रा को आम लोगों की पहुंच में ला दिया है। लेकिन, इस तेजी से बढ़ते उद्योग के साथ दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। अहमदाबाद हादसा इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि विमानन सुरक्षा के मानकों को और सख्त करने की जरूरत है।

बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर, जो 2014 में एयर इंडिया को डिलीवर हुआ था, इस मॉडल का पहला क्रैश था। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी, पायलट त्रुटि, या बाहरी कारकों (जैसे बर्ड स्ट्राइक) की संभावना पर विचार किया जा रहा है। लेकिन यह सवाल अनुत्तरित है कि इतने आधुनिक विमान में ऐसी विफलता कैसे हुई?

विमानन सेवाओं के विस्तार के साथ, हवाई अड्डों की संख्या और उड़ानों की आवृत्ति बढ़ रही है। यह स्वाभाविक रूप से जोखिम को बढ़ाता है, खासकर उन हवाई अड्डों के पास जो घनी आबादी वाले क्षेत्रों से घिरे हैं। मेघानी नगर जैसे क्षेत्रों में हवाई अड्डों की निकटता और अनियोजित शहरीकरण ने इस हादसे के प्रभाव को और बढ़ा दिया।

मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विमान दुर्घटना का होना शहरी नियोजन की विफलता को दर्शाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास बस्तियों का अनियोजित विस्तार इस हादसे का एक प्रमुख कारण रहा। विश्व स्तर पर, हवाई अड्डों के आसपास बफर जोन बनाए जाते हैं, जहां निर्माण कार्यों पर सख्त नियंत्रण होता है। लेकिन भारत में कई शहरों में, विशेष रूप से अहमदाबाद जैसे तेजी से विकसित हो रहे महानगरों में, यह नियम प्रभावी ढंग से लागू नहीं हो पा रहा है। यह हादसा इस बात की ओर इशारा करता है कि हमें हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को फिर से परिभाषित करने की जरूरत है। बफर जोन, आपातकालीन निकासी योजनाएं, और स्थानीय समुदायों के लिए जागरूकता कार्यक्रम इस तरह की त्रासदियों को कम करने में मदद कर सकते हैं। इस हादसे ने मेघानी नगर के स्थानीय समुदाय, खासकर बीजे मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स और स्टाफ, पर गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाला है। मेडिकल स्टूडेंट्स, जो भविष्य के डॉक्टर बनने की राह पर थे, इस हादसे का शिकार बने। यह न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक बड़ा आघात है। स्थानीय निवासियों में अब हवाई अड्डे की निकटता को लेकर डर का माहौल है, जो रियल एस्टेट और स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

इसके अलावा, हादसे ने हवाई यात्रा की सुरक्षा पर लोगों का भरोसा डगमगा दिया है। एयर इंडिया, जो पहले से ही वित्तीय और प्रबंधकीय चुनौतियों का सामना कर रही थी, को इस हादसे से भारी झटका लगा है। यात्रियों में डर का माहौल बन सकता है, जिसका असर पूरे विमानन उद्योग पर पड़ सकता है। इस हादसे ने कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं, जिनका समाधान भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए जरूरी है। विमानन सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करना होगा, जिसमें विमान रखरखाव, पायलट प्रशिक्षण, और तकनीकी जांच की प्रक्रियाओं को और मजबूत करना शामिल है। ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की जांच से हादसे के सटीक कारणों का पता लगाना आवश्यक है।

शहरी नियोजन में सुधार लाना अनिवार्य है। हवाई अड्डों के आसपास बफर जोन बनाकर और अनियोजित निर्माण पर रोक लगाकर मेघानी नगर जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों को लागू करने के लिए सख्त नीतियां बनानी होंगी। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों की जरूरत है। NDRF और स्थानीय प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया सराहनीय थी, लेकिन इसे और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

स्थानीय समुदायों को हवाई अड्डों के जोखिमों और आपातकालीन योजनाओं के बारे में जागरूक करना जरूरी है। यह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और संकट की स्थिति में उनकी भागीदारी बढ़ाएगा। पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय समुदाय के लिए काउंसलिंग और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए, ताकि वे इस त्रासदी के आघात से उबर सकें। अहमदाबाद की यह विमान दुर्घटना एक दोहरी त्रासदी थी, जिसने न केवल आकाश में, बल्कि धरती पर भी तबाही मचाई। मेघानी नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में पहली बार हुई इस घटना ने विमानन सुरक्षा, शहरी नियोजन, और आपदा प्रबंधन की कमियों को उजागर किया है।

शिक्षा ही समाज की असली ताकत है — जिला न्यायाधीश कुलदीप जैन

वैश्य महासम्मेलन शिवपुरी द्वारा आयोजित जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 भव्यता के साथ संपन्न

कुलदीप गुप्ता शिवपुरी मप्र। एंकर— वैश्य महासम्मेलन जिला शिवपुरी द्वारा जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह एवं जिला बैठक का भव्य आयोजन अग्रवाल धर्मशाला शिवपुरी के एसी हॉल (ऊपरी मंजिल) पर संपन्न हुआ।

इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला न्यायाधीश नीमच कुलदीप जैन उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संदेश में कहा,

›शिक्षा ही समाज की असली ताकत है। आज की प्रतिभाएं ही कल का नेतृत्व करेंगी। समाज को अपने बच्चों को आगे बढ़ने के हर अवसर देने चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीएम शिवपुरी अनुपम शर्मा, तथा समाजसेवी राजेश गोयल रजत ने भी आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

प्रदेश महामंत्री भरत अग्रवाल एवं संभागीय अध्यक्ष देवेन्द्र जैन ने जानकारी दी कि वर्ष 2025 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90% या उससे अधिक अंक लाने वाले 60 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को माला पहनाकर, सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (PSC, MPPSC, NEET, IIT आदि) एवं अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली युवाओं को भी विशेष सम्मान दिया गया।

प्रमुख सम्मानित प्रतिभाएँ

कृतिका नौगरिया (करैरा) - PSC, IAS रैंक 400

वैष्णवी जैन - PSC, लेबर एनफोर्समेंट ऑफिसर

यश जैन (बदरवास) - MPPSC, वाणिज्य कर अधिकारी

कनिका गुप्ता, मुस्कान जैन, विराग जैन - MPPSC, असिस्टेंट प्रोफेसर

मुस्कान गुप्ता (भौंती) - MPPSC, वाणिज्य कर निरीक्षक

डॉ. पीयूष गुप्ता (शिवपुरी) - DM कार्डियोलॉजिस्ट (NEET Super Speciality)

इशिका जैन, शिवानी गुप्ता (कोलारस) - LL.B गोल्ड मेडलिस्ट, जीवाजी विश्वविद्यालय

दिव्यांश गोयल (कोलारस) - JEE Advanced AIR 4654

इन सभी प्रतिभाओं के साथ उनके अभिभावकों को भी मंच पर सम्मानित किया गया

इस ऐतिहासिक आयोजन में शिवपुरी जिले की समस्त तहसीलों — करैरा, पिछोर, खनियाधाना, कोलारस, बदरवास, नरवर, पोहरी, बैराड़ एवं शिवपुरी से समाजजन व पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यह समारोह केवल सम्मान का आयोजन नहीं था, बल्कि समाज को यह संदेश देने वाला मंच था कि शिक्षा, मेहनत और प्रेरणा से समाज का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सकता है। प्रतिभाओं को सम्मानित कर वैश्य महासम्मेलन ने समाज में नई ऊर्जा का संचार किया है।

आयातित तुअर दाल पर मंडी टैक्स खत्म - दाल मिल मालिकों ने जताया सीएम मोहन यादव और सांसद VD शर्मा का आभार..

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों, व्यापारियों और दाल मिल उद्योग के हित में बड़ा फैसला लिया है।मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में आयातित तुअर दाल पर मंडी टैक्स पूरी तरह खत्म करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। सरकार के इस कदम से जहां दाल की कीमतों में राहत मिलेगी, वहीं उद्योग और किसानों दोनों को बड़ा फायदा होगा।कटनी जिले के दाल मिल मालिकों में खुशी की लहर

इस निर्णय के बाद कटनी के दाल मिल मालिकों ने विधायक संदीप जायसवाल के निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री मोहन यादव और

खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा के प्रति आभार जताया। इस दौरान दाल मिल व्यवसायियों ने सांसद वी.डी. शर्मा से वीडियो कॉल पर भी संवाद किया और इस निर्णय को उद्योग जगत के लिए गेमचेंजर बताया।

कटनी के मिल मालिकों ने बताया कि अब महाराष्ट्र जैसे अन्य राज्यों से आने वाली तुअर दाल पर मध्यप्रदेश में कोई मंडी टैक्स नहीं लगेगा। पहले हर 100 रुपए पर 1 रुपए मंडी शुल्क देना होता था। टैक्स खत्म होने से दाल की कीमतों में कमी आएगी,प्रोसेसिंग लागत घटेगी,प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।..कटनी के मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल ने बताया कि मंडी टैक्स हटने से न सिर्फ दाल मिल उद्योग को मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य में नई मिलें भी खुलेंगी। व्यापारी अब बाहरी राज्यों से दाल मंगाकर स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग कर सकेंगे, इस फैसले को दाल उद्योग को नई उड़ान देने वाला बताया जा रहा है, जो कटनी जैसे औद्योगिक शहरों में आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा।

सड़कों का गुणवत्तापरक री-स्टोरेशन करें प्राथमिकता से - जिलाधिकारी मनीष बंसल

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। उन्होंने तोड़ी गई सड़कों का गुणवत्तापरक री-स्टोरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 308 प्रोजेक्ट के तहत जिन ग्राम पंचायतों में सड़कों के री-स्टोरेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है उसका सत्यापन ग्राम प्रधान और सचिव से संयुक्त रूप से कराते हुए प्रमाण पत्र लेने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि जहां पर ट्यूबवेल की स्थापना का कार्य शुरू नहीं हुआ वहां पर शीघ्रता से कार्य शुरू करते हुए पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिस जगह पर विवाद है, वहां पर संबंधित उपजिलाधिकारी और पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए विवाद का हल कराते हुए कार्य शुरू किया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अधिशासी अभियन्ता जल निगम मो0 हाशिम सहित संबंधित अधिकारीगण तथा कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 साल पर कविता पाटीदार बोलीं - हमने नारे नहीं, बदलाव करके दिखाया

कटनी, भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों का कार्यकाल पूरा कर लिया है। इस अवसर पर कटनी भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार ने मीडिया से रूबरू होकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और कहा ङ्क हमने सिर्फ वादे नहीं किए, ज़मीन पर काम कर दिखाया है। कविता पाटीदार ने कहा कि 11 वर्षों में भाजपा सरकार ने %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास% के मंत्र के साथ देश की राजनीति की संस्कृति को बदला है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले तुष्टिकरण की राजनीति हावी थी, लेकिन मोदी सरकार ने जवाबदेही और विकास आधारित राजनीति की शुरुआत की।

भाजपा प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार ने बताया कि बीते दशक में एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। चाहे महिलाओं को पायलट बनाना हो या आर्मी में भर्ती देना ङ्क मोदी सरकार ने उन्हें मुख्यधारा में लाकर सशक्त किया है। उन्होंने लखपति दीदी योजना, एनडीए में बेटियों की भर्ती और स्वयं सहायता समूहों के विस्तार को इसका उदाहरण बताया। पाटीदार ने कहा कि भाजपा सरकार ने केवल गरीबी हटाओ का नारा नहीं दिया, बल्कि 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालकर इसे साबित किया है। अति-गरीबी में 80ब्र की गिरावट और स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों ने देश की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत सिर्फ शौचालय निर्माण नहीं बल्कि एक स्वास्थ्य क्रांति है।साफ-सफाई से होने वाली बीमारियों में भारी कमी आई है, जिससे करोड़ों लोगों को सीधा लाभ मिला है।

जनप्रतिनिधियों द्वारा केन्द्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित एवं वितरित किए गये टैबलेट

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का देखा गया लाईव प्रसारण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, केन्द्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम जनमंच सभागार में महापौर डॉ0 अजय सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, जिलाध्यक्ष बीजेपी महेन्द्र सैनी एवं मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इसी के साथ राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाडियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार का वितरण एवं कल्याण सेक्टर की जनकल्याणकारी लाभार्थीपरक योजनाओं में लाभान्वित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का जनमंच सभागार में सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2025 में यू0पी0 बोर्ड की परीक्षा में हाई स्कूल व इण्टर मीडिएट की परीक्षा में टॉप टेन सूची में स्थान प्राप्त करने वाले बालक व बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र व मेडल के साथ टेबलेट का वितरण करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बाल सेवा योजना (कोविड) के 02 लाभार्थियों को लेपटॉप का वितरण किया गया तथा बाल सेवा योजना (सामान्य) के 50 लाभार्थी, स्पॉन्सरशिप योजना के 50 लाभार्थी, निराश्रित महिला पेंशन योजना के 100 लाभार्थी, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 50 लाभार्थी, दिव्यांग भरण-पोषण पेंशन के 50 लाभार्थी, वृद्धावस्था पेंशन योजना के 250 लाभार्थी, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के 85 लाभार्थी, पूर्वदशम व दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के 70 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। महापौर डॉ0 अजय कुमार सिंह द्वारा लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुए सरकार की योजनाओं सहारनपुर नगर में किये गये विकास कार्यों की जानकारी प्रदान की गयी। विधायक राजीव गुम्बर द्वारा सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए जन सामान्य को सरकार की योजनओं से रूबरू कराया गया तथा उ0प्र सरकारी सेवा, सुरक्षा व सुशासन के लक्ष्य की जानकारी प्रदान की गयी।

विधायक देवेन्द्र निम द्वारा किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना तथा सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभार्थिपरक योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य प्राप्ति की जानकारी प्रदान करते हुए प्रदेश के हर व्यक्ति तक उक्त योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करने की बात कही गयी। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन द्वारा विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए उ0प्र0 सरकार महिला सशक्तिकरण के प्रति संकल्पबद्ध होने के विषय में बताया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी अभिषेक कुमार पाण्डेय ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पिछडावर्ग कल्याण अधिकारी व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्री विष्णु भगवान मंदिर विष्णु चौक कायस्थवाड़ा में लगाई गई छबील

भीषण गर्मी के मौसम में छबील लगाना बड़ा ही पुण्य का कार्य है – पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, भीषण गर्मी के चलते श्री विष्णु भगवान मंदिर सेवा ट्रस्ट (रजि.) देवबंद द्वारा मंदिर के बाहर छबील लगाई गई। जिसकी शुरुवात विपिन गर्ग चैयरमेन नगर पालिका परिषद देवबंद द्वारा श्री विष्णु भगवान जी की युगल जोड़ी के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई। पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने कहा कि इस भीषण गर्मी के मौसम में छबील लगाना बड़ा ही पुण्य का कार्य है। विपिन गर्ग द्वारा अपने हाथों से राहगीरों को शीतल शर्बत वितरित किया गया। इस पुण्य कार्य में सभासद रविन्द्र चौधरी, सभासद प्रतिनिधि श्याम चौहान, अजय जैन, राम मोहन सैनी, ट्रस्ट अध्यक्ष विनय बंसल, अजय टंडन, सुनील बंसल, अक्षय बंसल, अखिलेश बंसल, डॉ. कांता त्यागी, ध्रुव अग्रवाल, मा. सोमनाथ गुप्ता, मा.रामशरण गर्ग,अजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रितेश बंसल एडवोकेट ने किया।

रेलवे पुल के नीचे मिला युवक का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी जिले के माधव नगर थाना अंतर्गत निवार चौकी क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे पुल के नीचे एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान घोगरा गांव निवासी 32 वर्षीय सुनील प्यासी के रूप में हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी कटनी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं, जिससे परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। मृतक की मां ने बताया कि सुनील खेती-किसानी से जुड़ा था और कल शाम 4 बजे ट्रैक्टर लेकर घर से निकला था, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटा। अगली सुबह रेलवे पुल के नीचे उसका शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। जीआरपी थाना प्रभारी एल.पी. कश्यप ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कटनी जिले के माधव नगर थाना अंतर्गत निवार चौकी क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब रेलवे पुल के नीचे एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान घोगरा गांव निवासी 32 वर्षीय सुनील प्यासी के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी कटनी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मृतक के शरीर पर चोट के गंभीर निशान मिले हैं, जिससे परिजन हत्या की आशंका जता रहे हैं। मृतक की मां ने बताया कि सुनील खेती-किसानी से जुड़ा था और कल शाम 4 बजे ट्रैक्टर लेकर घर से निकला था, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटा। अगली सुबह रेलवे पुल के नीचे उसका शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। जीआरपी थाना प्रभारी एल.पी. कश्यप ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वदेशी अपनाओ विदेशी भगाओ का संकल्प लेकर प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग के जन्मदिन पर व्यापारियों ने मनाया संकल्प दिवस

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के देवबंद इकाई के नगर अध्यक्ष विवेक तायल ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर के व्यापारियों ने गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से संकल्प दिवस मनाया है। देश व प्रदेश भर में व्यापारियों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस बार संकल्प दिवस पर स्वदेशी अपनाओ व विदेशी भगाओ यानी आज के बाद देश व प्रदेश भर में व्यापारी केवल स्वदेशी सामान का ही प्रयोग करेंगे और विदेशी सामान का पूर्णत: बहिष्कार करेंग का संकल्प लिया। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सहारनपुर से आए जयवीर राणा ने कहा कि विदेशी सामान न बेचेंगे न ही प्रयोग करेंगे, केवल स्वदेशी सामान के प्रयोग करने का संकल्प लेकर देश को विकसित देश बनाने में सहयोग करने का काम करेंगे, क्योंकि स्वदेशी अपनाने से देश का पैसा देश में ही रहेगा और इससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश शीघ्र ही विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर होगा। बैठक में नगर महामंत्री राजेश सिंघल, जिला उपाध्यक्ष अजय गर्ग, सलीम कुरैशी, विजय सिंघल, नीरज जैन, रोबिन अग्रवाल, राशिद कमाल मोहम्मद फिरोज आदि उपस्थित रहे।

नीमा की ओर से श्रेष्ठ कार्य के लिए चार सदस्यों का अभिनंदन किया गया

डा. सुखपाल सिंह, डा. इकरम पाल सिंह, डा. सुधीर गुप्ता का पुष्पगुच्छ देकर एवं माल्यार्पण कर किया गया अभिनंदन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। देवबंद, (नीमा देवबंद की एक बैठक स्काई लाज में संपन्न हुई। जिसमें अपने चिकित्सकों के हित में एवं संगठन को मजबूत करने के लिए डा. सुखपाल सिंह, डा. इकरम पाल सिंह, डा. सुधीर गुप्ता का पुष्पगुच्छ देकर एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। बैठक की अध्यक्षता डॉ. बिजेंद्र गोयल ने की एवं संचालन वरिष्ठ चिकित्सक डा. बीपी सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए डा. कांता त्यागी ने कहा कि हमें आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा के समन्वय की दिशा में कार्य करना चाहिए। श्री कुल हर्बल ने अपनी दवाइयों की डिजिटल प्रस्तुति की एवं दवाइयों को प्रदर्शनी के रूप में दिखाकर उनकी गुणवत्ता के बारे में बताया। कंपनी के अधिकारी अवधेश गोस्वामी एवं सैनी जी ने सभी उपस्थित चिकित्सकों को धन्यवाद किया और सभी सदस्यों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया। ऐश फार्मा के दिपेंद्र पुण्डीर ने अपनी चार मेडिसिन के बारे में बताया और सहयोग का अनुरोध किया। बैठक में डा. हरपाल पुण्डीर, डा. अजब सिंह, डा. संजीव जैन, डा. अशोक चौधरी, डॉक्टर सुनिता सिंह सहित काफी सदस्य मौजूद रहे।

सकल जैन समाज द्वारा आयोजित साप्ताहिक जैनत्व संस्कार शिक्षण

भविक संचेती । सिटी चीफ
मंदसौर, सकल जैन समाज द्वारा आयोजित साप्ताहिक जैनत्व संस्कार शिक्षण बाल शिविर के पावन अवसर शांतिलाल बड़जात्या, मनीष सेठी, सकल जैन समाज अध्यक्ष जयकुमार बड़जात्या ने महाराज साहब 108 श्री अनुपम सागर जी व 108 श्री निरमोह सागर जी को श्रीफल भेंट किया और सकल जैन समाज महिला प्रकोष्ठ महामंत्री सारिका बाकलीवाल, पूर्व महामंत्री ,वर्तमान मंत्री व सहमंत्री ने जिनवाणि शास्त्र भेंट किया। आज पूज्य जैन मुनिराज श्रीजी के दिव्य सान्निध्य में बच्चों को अद्भुत और प्रेरणादायक प्रवचन सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही महाराज साहब ने प्रवचन मै बच्चों को इंग्लिश शब्द jain का अर्ध समझाया, उन्होंने बताया कि छ्व से जस्टिस अर्थात न्यायप्रियता, A affection से प्रेम, I से integrity अर्थात ईमानदारी और ह्र ठ्ठश1द्गद्यह्ल4 से करुणा के बारे में बताया।साथ ही महाराज साहब ने बताया कि जैन संख्या मै मुट्ठी भर है लेकिन किसी की मुट्ठी में नहीं है, साथ ही यह बच्चों को यह भी बताया कि सुसाइड नहीं डिसाइड करो अर्थात अपना लक्ष्य बनाओ। अपने सहज, सरल और प्रभावशाली शब्दों में पूज्य श्रीजी ने बच्चों को धर्म, अहिंसा, संयम और सदाचरण का महत्व समझाते हुए जीवन को संस्कारित बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने खेल-खेल में धर्म को अपनाने और प्रतिदिन जीवन में छोटी-छोटी अच्छी आदतें अपनाने का संदेश दिया, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास और चारित्रिक बल विकसित हो सके। साथ ही प्रवचन के दौरान बच्चों की जिज्ञासाएँ भी शांत की गईं, जिससे उनका आत्मिक विकास और भी सशक्त हुआ। इस अवसर सकल जैन समाज उप संयोजक अरविंद मेहता, सकल जैन समाज युवा प्रकोष्ठ महामंत्री सौरभ विनायक, मंत्री मोहित गंगवाल, सहमंत्री भाविक संचेती उपस्थित इस आयोजन का मूल उद्देश्य आने वाली पीढ़ी को जैन संस्कारों और जीवनमूल्यों से जोड़ना तथा उन्हें एक आदर्श नागरिक बनाना है। संपूर्ण आयोजन में बच्चों की उत्साही भागीदारी और पूज्य मुनिराज श्रीजी का आध्यात्मिक मार्गदर्शन अद्वितीय रहा। यह समस्त जानकारी महिला प्रकोष्ठ मीडिया प्रभारी अनिता धींग द्वारा दी गई।

कुरुक्षेत्र के डा. राजेंद्र कुमार का गुजरात के ऊंझा में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय अवार्ड सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि सम्मान मिला

अश्विनी वालिया । सिटी चीफ
कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र के डा. राजेंद्र कुमार को गुजरात के ऊंझा में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय अवार्ड के सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मान मिला है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पलवल कुरुक्षेत्र में सहायक प्रोफेसर राजनीति शास्त्र के पद पर कार्यरत रहे डा. राजेंद्र कुमार को यह सम्मान मिला है। गुजरात के ऊंझा में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय अवार्ड के सम्मान समारोह में भारतवर्ष के लगभग सभी राज्यों से 100 शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं बेहतरीन कार्य करने वाले अध्यापकों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया। जिसमें कुरुक्षेत्र हरियाणा से डा. राजेंद्र कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में उसके द्वारा किए गए नवाचार बाल केंद्रित शिक्षा, रचनात्मक शिक्षा, सृजनात्मक शिक्षा, पर्यावरण बचाओ पौधारोपण, सामाजिक क्षेत्र में कार्य करना, शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कार्य करना, नवाचारी शिक्षा, जरूरतमंद एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की हर संभव सहायता शिक्षा के सभी पहलुओं पर अपना पूरा योगदान देना कार्यों के लिए सम्मान मिला है। डा. राजेंद्र कुमार ने अपने विशिष्ट अतिथि के रूप में दिए गए भाषण में कहा कि निश्चित रूप से शिक्षा सागर फाउंडेशन एक अनूठा प्लेटफार्म है जहां पर भारत में विशेष कार्य करने वाले अध्यापकों और अधिकारियों को एक विशेष पहचान मिलती है। यह फाउंडेशन कई वर्षों से इस तरह के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में विशेष एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों को सम्मानित करता आ रहा है। डा. राजेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा हथियार है जिसके द्वारा हम बिना युद्ध के विश्व को बदल सकते हैं। शिक्षा के बिना मनुष्य पशु के समान होता है। केवल शिक्षा ही हमारे भविष्य को सुरक्षित और स्वर्णिम बना सकती है। अगर हमारे पास शिक्षा है तो सब कुछ है। अगर हमारे पास शिक्षा नहीं है तो हमारे पास सब कुछ होते हुए भी कुछ नहीं है शिक्षा ही एक ऐसा उपकरण है जिससे शिक्षित व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों से अलग दिखाई देता है। यह वक्तव्य डा. राजेंद्र कुमार ने गुजरात में राष्ट्रीय कार्यक्रम में अपने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाषण में कहे। शिक्षक एक सामान्य व्यक्ति नहीं हो सकता है, अगर वह सामान्य व्यक्ति है तो फिर वह शिक्षक नहीं हो सकता है। शिक्षक हमेशा ही दूसरों के जीवन को सफल बनाने उनकी उन्नति करने और और नई दशा और दिशा प्रदान करने का कार्य करता है। छात्रों के जीवन को नई ऊंचाइयां और सफलता की नई-नई किरण दिखाने का कार्य करता है। शिक्षा एक पैसा कमाने का व्यवसाय नहीं है बल्कि वह व्यक्तियों के व्यवहार सोच समझ दृष्टिकोण को बदलने का एक बेहतरीन व सुंदर माध्यम है। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में गयाना भाई पटेल राष्टपति पदम श्री अवार्ड विजेता डा. राजेंद्र कुमार प्रिंसिपल हरियाणा, प्रधानमंत्री एवं दिल्ली सरकार के अधिकारियों के द्वारा मानद उपाधि से अलंकृत यूनिसेफ मुख्य सलाहकार शिक्षा डा. राजेंद्र जानी, खंड शिक्षा अधिकारी उंझा भरत भाई, चौधरी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता चंद्र भाई मोदी, सामाजिक कार्यकर्ता कल्याण सिंह पवार, डा. राजेंद्र कुमार प्रिंसिपल की धर्मपत्नी सुनीता रानी इत्यादि ने शिरकत की। डा. राजेंद्र कुमार ने शिक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. शैलेश प्रजापति, उपाध्यक्ष डा. गायत्री मिश्रा, हरियाणा से मुख्य अतिथि डा. सुरेश कुमार राणा राज्य पुरस्कार विजेता व इस फेडरेशन के अन्य सभी सदस्यों का उसको विशिष्ट अतिथि के रूप में बुलाने के लिए दिल की गहराइयों से बार-बार धन्यवाद किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ से बलदाऊ, सुनीता, मध्य ,प्रदेश से महेश त्रिवेदी, शिव दांगी, किनरी मेहरा बड़ौदा, लक्ष्मण सिंह गुजरात, मीनाक्षी दरभंगा, प्रेम सखी बिहार, राममेहर, सोनू कुमारी कोटा, बूंदी गीता बघेल, हंस चौहान, मनोज पांडे, नीलम पद्मिनी, पंकज द्विवेदी, राहुल मोदी, उषा मालव, विजय लक्ष्मी पटेल और संपूर्ण भारतवर्ष से अपने-अपने क्षेत्र में विशेष कार्य करने वाले विशिष्ट अध्यापकों और अधिकारियों का सम्मान किया गया।

इच्छाओं और वासनाओं को नियंत्रित करना तप है - संत डा. स्वामी चिदानंद

ऋषि-मुनि तपस्या करके ईश्वर से ज्ञान प्राप्त करते हैं

अश्विनी वालिया । सिटी चीफ
कुरुक्षेत्र, देश के विभिन्न राज्यों सहित विश्व स्तर पर भगवान श्री कृष्ण के श्री मुख से उत्पन्न गीता का प्रचार प्रसार कर रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता मिशन ओडिशा के अध्यक्ष संत डा. स्वामी चिदानंद ने कहा कि तप व्यक्ति को आत्म-सुधार करने और अपने भीतर के बुराइयों को दूर करने में मदद करता है। तप का अर्थ है अपनी इच्छाओं और वासनाओं को नियंत्रित करना, जिससे व्यक्ति को सांसारिक सुखों के मोह से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि यह आत्म-नियंत्रण और संयम का अभ्यास है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करने में मदद करता है। तप के माध्यम से व्यक्ति अपने मन को शांत करता है और आध्यात्मिक उन्नति करता है। तप से व्यक्ति को आध्यात्मिक शक्ति मिलती है, जिससे वह सांसारिक कठिनाइयों का सामना कर सकता है। डा. चिदानंद ने कहा कि सनातन धर्म में तप को बहुत महत्व दिया जाता है। ऋषि-मुनि, साधु-संत, और सामान्य व्यक्ति भी तपस्या करते हैं। तप के माध्यम से, वे अपने जीवन को शुद्ध करते हैं और आध्यात्मिक उन्नति करते हैं। ऋषि-मुनि तपस्या करके ईश्वर से ज्ञान प्राप्त करते हैं और दुनिया को ज्ञान देते हैं। साधु-संत तपस्या करके अपने जीवन को शुद्ध करते हैं और दूसरों को भी धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

हरियाणा एनवायरमेंटल सोसायटी (एचईएस) के लगाए पौधों ने पेड़ों का रूप लिया

9 वर्षों से चलाया जा रहा है कुरुक्षेत्र को हरा भरा करने का एचईएस संस्था का अभियान

अश्विनी वालिया। सिटी चीफ
कुरुक्षेत्र, तीर्थों की संगम स्थली एवं पर्यटन नगरी को आकर्षक बनाने के लिए जहां सरकार द्वारा अनेक विकास कार्य किए जा रहे हैं वहीं पर्यावरण के क्षेत्र में राज्य सराहनीय कार्य कर रही हरियाणा एनवायरमेंटल सोसायटी (एचईएस) ने यमुनानगर को हरा भरा बनाने के बाद करीब 9 साल पहले एचईएस का कुरुक्षेत्र चैप्टर शुरू किया था। जिसके 9 वर्षों के प्रयासों एवं मेहनत के परिणाम कुरुक्षेत्र में दिख भी रहे हैं। हरियाणा एनवायरमेंटल सोसायटी (एच.ई.एस.) के अध्यक्ष ग्रीन मैन के नाम से विख्यात प्रोफेसर एसएल सैनी ने बताया कि पब्लिक पार्टिसिपेशन एंड कंट्रीब्यूशन का जो मॉडल यमुनानगर में अपनाया गया था वही मॉडल कुरुक्षेत्र में भी अपनाया जा रहा है। इसके तहत लोगों की भागीदारी हेतु उनसे आर्थिक सहायता लेकर पौधे लगा दिए जाते हैं और पौधों के ऊपर लोहे के जंगलों पर आर्थिक सहयोग करने वाले के नाम की तख्ती लगा दी जाती है। उन्होंने कहा कि उसके बाद उन पेड़ों की परवरिश 5 साल तक संस्था एचईएस करती है। यह अभियान अनथक प्रयास के साथ 9 वर्षों से कुरुक्षेत्र में जारी है। शहर के अनेकों जगहों पर अब पर पूरी हरियाली बिखरती जा रही है और एक-एक करके शहर के सारे पब्लिक प्लेस को ग्रीन कवर मुहैया कराने का अभियान जारी है। इसमें एचईएस के स्टेट कन्वीनर डा. राहुल भारती तथा कुरुक्षेत्र चैप्टर के कोऑर्डिनेटर डा. हरि सिंह, प्रोफेसर एमेरिटस कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी एवं मोटिवेटर कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की ही केमिस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. संगीता की अहम भूमिका है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम- ग्राम पंचायत ननासा, बैजगवाड़ा एवं नामंपुर बनी जिले की क्रमशः पाँचवी, छठी और सातवीं पूर्णतः सीसीटीवी निगरानी युक्त पंचायतें

ज़िला पुलिस के अभिप्रेरण पर ग्रामवासियों ने लगाए 74 स्थानों पर 27.5 लाख की लागत से कुल 272 सीसीटीव्ही कैमरा,ग्रामवसियों का आभार प्रकट करने स्वयं विधायक खातेगांव आशीष शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद, एसडीएम , एडिशनल एसपी सहित पहुँचे ग्राम ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर

देवास
मध्यप्रदेश शासन मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशानुरूप एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन ज़ोन उमेश जोगा एवं पुलिस उप महानिरीक्षक उज्जैन रेंज नवनीत भसीन द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं उनके त्वरित निराकरण को सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक सीसीटीव्ही कैमरा स्थापित करने हेतु सभी ज़िला पुलिस इकाइयों को निर्देशित किया गया था ।

इसी तारतम्य में ज़िला देवास में पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा 01 नवम्बर 2024 से सम्पूर्ण जिलें में ऑपरेशन त्रिनेत्रम प्रारंभ किया गया है , जिसके अंतर्गत ज़िला पुलिस द्वारा लगातार ज़िलेवासियों को स्वेच्छापूर्वक अधिक से अधिक सीसीटीव्ही कैमरा स्थापित करने हेतु अभिप्रेरित किया जा रहा है । पुलिस कप्तान के नेतृत्व में सभी थाना प्रभारी एवं एसडीओपी गली-मोहल्ला-गाँव-क़स्बे में लगातार भ्रमण कर आम जनता,व्यापारी वर्ग,स्थानीय जन-प्रतिनिधि एवं ग्रामीण तथा नगरीय निकायों को सीसीटीव्ही कैमरा की महत्ता के बारे में समझाइश देकर ज़्यादा से ज़्यादा कैमरा स्थापित करने हेतु अभिप्रेरित कर रहे हैं ।

इसी अनुक्रम में थाना कन्नौद,सतवास क्षेत्र स्थित ग्राम ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर के आम जनों ने मिसाल क़ायम करते हुवे गाँव की सुरक्षा हेतु स्थानीय पुलिस के अभिप्रेरण पर 03 गाँव ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर के 74 चिन्हित स्थानों पर क़रीब 27.5 लाख की राशि जनसहयोग से एकत्रित कर कुल 272 नये सीसीटीव्ही कैमरा स्थापित किए हैं । उक्त सभी 74 स्थानों का चयन से देवास पुलिस द्वारा सुरक्षा ऑडिट के आधार पर किया गया था जिसमे चोरी-गृहभेदन,महिला/बालिकाओं के साथ छेड़छाड़,प्रमुख त्यौहारों के दौरान जुलूस मार्ग,प्रमुख बाजार आदि समस्त आयामो को ध्यान में रखा गया था ।

ऑपरेशन त्रिनेत्रम के तहत ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर गाँव में स्थापित 272 सीसीटीव्ही कैमरों के इस नेटवर्क का लाइव-फीड स्थानीय स्तर पर गांव में ही प्रदान किया गया है,जिसके चलते लगातार पुलिस द्वारा गाँव में सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से पैनी नज़र रखा जाना संभव हो सकेगा । विधायक खातेगांव आशीष शर्मा द्वारा उक्त उपलब्धि पर ग्रामवासियो को बधाई दी एवं देवास पुलिस के नवाचार की प्रशंसा भी की ।साथ ही बताया कि सीसीटीव्ही कैमरा के माध्यम से अपराधों की रोकथाम में सीसीटीव्ही कैमरा किस प्रकार सहायक है । ज़िला पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने उक्त सराहनीय उपलब्धि पर ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर के समस्त ग्रामवसियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की है तथा इस उपलब्धि हेतु सतत प्रयत्नशील रहने वाले एडिशनल एसपी सौम्या जैन,एसडीओपी (पुलिस)कन्नौद आदित्य तिवारी,थाना प्रभारी कन्नौद तहज़ीब क़ाज़ी ,थाना प्रभारी सतवास श्री बी.डी.बीरा एवं समस्त थाना स्टाफ की प्रशंसा की है । ग्राम ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर के निवासियों द्वारा संपूर्ण देवास ज़िले के लिए पेश की गई इस मिसाल पर स्वयं पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गेहलोद ने ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर का दौरा किया एवं जनसहयोग से स्थापित उक्त सीसीटीव्ही नेटवर्क का निरीक्षण किया ।

पुलिस कप्तान ने बताया कि सीसीटीव्ही कैमरा जहाँ एक तरफ़ अपराधियों पर अंकुश लगाते हैं,वहीं दूसरी तरफ़ किसी अपराध के घटित होने के उपरांत अपराधियों की त्वरित पहचान में भी बड़ी मदद करते हैं । इसी के साथ सीसीटीव्ही फुटेज, पुलिस विवेचना में अहम साक्ष्य बनते हैं जिनके आधार पर न्यायालय से अपराधियों को कठोरतम दंड दिलाने में भी पुलिस को मदद मिलती है । ननासा,बैजगवाड़ा एवं नामंपुर ग्राम का यह प्रयास ज़िले के नागरिकों को ऑपरेशन त्रिनेत्रम के तहत और अधिक कैमरा लगाने हेतु प्रेरित करेगा ।

उक्त कार्यक्रम में विधायक खातेगांव आशीष शर्मा, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) सौम्या जैन,एसडीएम कन्नौद प्रवीण प्रजापति,सरपंच ननासा रोहित तिवारी,सरपंच बैजगवाड़ा इंद्रा गोयल,ग्राम नामंपुर सरपंच लक्ष्मी जी सहित लगभग 550 ग्रामवासी मौजूद रहे ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने जिले में पत्रकार वार्ता आयोजित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंत्री तुलसी सिलावट ने पत्रकार वार्ता को किया संबोधित

मोदी जी ने पिछले 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है - मंत्री तुलसी सिलावट

अब देश की जनता भी कहने लगी है कि मोदी हैं तो मुमकिन है- मंत्री तुलसी सिलावट

धार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 2047 विकसित भारत के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी धार द्वारा जिला मुख्यालय पर गुरुवार को होटल रुद्राक्ष में मुख्य वक्ता के रूप कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, धार विधायक नीना वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगाव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा मंचासिन थे।

पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन-आधारित और पारदर्शी शासन की प्रतीक है, जिसने बीते 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इसी कारण हम 'विकसित भारत' और 'अमृतकाल' को जमीन पुर उतरते हुए देख रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत ने गरीब और जन कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार रिफॉर्म, परफार्म और ट्रांसफार्म की अवधारणा को चरितार्थ कर रही है। वर्ष 2014 से पहले देश तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति में डूबा था, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में अब पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की संस्कृति स्थापित हुई है। अब न्यू नॉर्मल, न्यू ऑर्डर बन चुका है। आज देश की जनता भी कह रही है कि मोदी हैं तो मुमकिन है।卐 आम आदमी की सोच बन गई है कि मोदी जी समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रहित में अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक को खत्म करना, नया वक्फ कानून और सीएए लागू करना तथा विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक 'न्यू नॉर्मल' बन गई है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया भर में स्थापित किया है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। महिलाओं को नेतृत्व में लाने के लिए उन्हें सेना, शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के हर क्षेत्र में अवसर दिए गए हैं। देश नक्सलवाद के खात्मे की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है।

मूलभूत सिद्धांत पिछले 11 वर्षों में अपनाया गया है, जो माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सोच पर आधारित है - सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास। अनेक चुनौतियाँ आईं, लेकिन इसके बावजूद हमारा मुख्य सिद्धांत हमेशा स्पष्ट और मजबूत रहा है। आर्थिक अनुशासन लाने के लिए मोदी सरकार ने योजनाबद्ध ढंग से फैसले लिए। बजट की प्रस्तुति को एडवांस किया गया, योजना और गैर-योजना व्यय के बीच के भेद को समाप्त किया गया और रेल बजट को मुख्य बजट में समाहित कर समेकित आर्थिक दृष्टिकोण अपनाया गया। इस आर्थिक दूरदर्शिता का परिणाम यह है कि आज भारत दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था रहा है।

केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा किप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में 'लखपति दीदी' योजना और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। समाज के वे वर्ग, जिन्हें पहले केवल नजरअंदाज़ किया जाता था, आज उन्हें केंद्र में लाकर भरोसा दिया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाएं, इन सभी की मुख्यधारा में भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के साथ अनुच्छेद-370 को हटाकर असंभव दिखने वाले काम को संभव कर दिखाया।

मौनी रॉय ने दोस्त दिशा पाटनी को दी जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर उनकी दोस्त और एक्ट्रेस मौनी रॉय ने एक पोस्ट के जरिए दिशा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी और साथ ही कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं।

सबसे खूबसूरत छोटी बहन-मौनी रॉय

मौनी ने आज सोशल मीडिया पर कई शानदार तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए और कैप्शन में लिखा, मेरी रहस्यमयी, आकर्षक, सबसे खूबसूरत छोटी बहन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरी सबसे अछी दोस्त और प्रिंसपेसा, आपको बनाने वाली सभी विशेषताओं और तत्वों से प्यार करती हूं।

सबसे अछी दोस्त-मौनी रॉय

मौनी ने आगे लिखा, मौसम चाहे जो भी हो, मेरे जीवन में धूप और धूप लाने के लिए धन्यवाद, हर दिन मेरा हालचाल जानने के लिए, चाहे आप किसी भी महाद्वीप में हों और बहुत ही सहजता से सबसे अछी दोस्त बनने के लिए जो कोई भी लड़की चाह सकती है। आपके साथ जीवन निश्चित रूप से और भी मजेदार है। हेहेह। प्रार्थना करें कि भगवान आपको वह सब कुछ दे जो आपका बहुत यादा सोचने वाला दिमाग और गहरा प्यार करने वाला दिल चाहता है। यह बहन के लिए है जो आंशिक रूप से देवी और 3/4 निंजा योद्धा है, जितना आप जानते हैं उससे कहीं यादा प्यार करती हूं दिशा पाटनी दोनों की दोस्ती है खास दिशा पाटनी और मौनी रॉय को अक्सर एक साथ कई सार्वजनिक जगहों पर देखा जा चुका है। वह दोनों बहुत अछी दोस्त हैं और अक्सर वेकेशन पर भी साथ जाती हैं। दिशा और मौनी दोनों ही एक-दूसरे को अपनी बहनें मानती हैं।

मौनी और दिशा का वर्कफ्रंट

मौनी रॉय को हाल ही में फिल्म द भूतनी में देखा गया था। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में मौनी ने एक भूतनी मोहब्बत का किरदार निभाया था। इस फिल्म में मौनी के अलावा संजय दत्त, सनी सिंह और पलक तिवारी ने अहम भूमिका निभाई है।वहीं, दिशा पाटनी को आखिरी बार फिल्म कल्कि 2898 एडी में देखा गया था। बहरहाल, वह जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। यह फिल्म एक मल्टी स्टारर फिल्म है। इस फिल्म में दिशा के अलावा अक्षय कुमार, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, संजय दत्त और भी कई कलाकार नजर आएंगे।

रैपर बादशाह और दुआ लीपा के विवादों के बीच पॉपस्टार ने की सगाई

बोलीं- जीवनभर एक दोस्त की तरह...

रैपर बादशाह ने कुछ दिनों पहले सिंगर दुआ लीपा पर विवादित टिप्पणी की थी, जिसके बाद वो मुश्किलों में घिर गए थे और उन्हें आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब पॉपस्टार दुआ ने अपने सगाई की पुष्टि की है। जानिए उन्होंने क्या कहा। दुआ लीपा ने की सगाई की पुष्टि पॉपस्टार दुआ लिपा ने अभिनेता कैलम टर्नर के साथ अपनी सगाई की पुष्टि की है। गायिका ने हाल ही में ब्रिटिश वोग के साथ डिनर इंटरव्यू के दौरान यह खुशखबरी बताई। उन्होंने कहा, 'हां, हमने सगाई कर ली है। यह बहुत शानदार है।' गायिका ने आगे अपने मंगेतर के बारे में कहा, 'मैं उनके प्रति जुनूनी हूं। वो बिल्कुल मेरी तरह है। यह जानना अछा है कि जिस व्यक्ति के साथ आप अपना बचा हुआ जीवन बिताने जा रहे हैं, वह आपको बहुत अछी तरह से जानता है। साथ-साथ बूढ़े होने का यह निर्णय, एक जीवन देखना और बस, मुझे नहीं पता, हमेशा के लिए सबसे अछे दोस्त बने रहना। यह वास्तव में एक विशेष एहसास है।' दुआ लीपा और उनके मंगेतर को पहली बार 2024 की शुरुआत में साथ देखा गया था। इसी के बाद से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और अब उन्होंने शादी कर ली है। साथ ही आपको बताते चलें कि अभी तक दोनों की तरफ से शादी को लेकर कोई अपडेट नहीं आई है। सिंगर दुआ लीपा की सगाई भारत में इसलिए चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि बीते दिनों रैपर बादशाह ने उनको लेकर विवादित टिप्पणी की थी। इसी के बाद से बादशाह को नेटिजंस के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। यहीं, नहीं इसके बाद रैपर ने टिप्पणी पर सफाई देते हुए इसे महिलाओं के लिए सबसे अछी तारीफ बताई थी। हालांकि, इस पूरे मामले पर सिंगर दुआ लीपा ने कोई कमेंट नहीं किया है।

कौन हैं संजय कपूर की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव? बॉलीवुड से कैसा है नाता

बिजनेसमैन संजय कपूर के निधन ने हर किसी को हैरान कर दिया है। संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव ने पति की मौत पर अब तक कोई रिएक्शन नहीं दिया है। बॉलीवुड इंडस्ट्री इन दिनों एक गहरे सदमे से गुजर रही है। अभिनेत्री करिश्मा कपूर के एक्स-हसबैंड संजय कपूर के अचानक निधन ने सबको स्तब्ध कर दिया है। संजय कपूर की मौत पोलो खेलते वक्त हार्ट अटैक आने के कारण हुई, जिससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री और उनके करीबियों में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद घटना के बाद एक नाम सुर्खियों में आ गया है वो है संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव का।

ग्लैमर से कॉर्पोरेट की दुनिया तक का सफर

प्रिया सचदेव का नाम बॉलीवुड और फैशन इंडस्ट्री दोनों में जाना-पहचाना रहा है। वो सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक सफल प्रोफेशनल भी रह चुकी हैं। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाली प्रिया ने इनवेस्टमेंट बैंकिंग एनालिस्ट के तौर पर भी काम किया है। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

'नील एंड निक्की' में आ चुकी हैं नजर

उनकी पहली फिल्म 'नील एंड निक्की' थी, जिसमें उन्होंने ग्लैमर का जबरदस्त तड़का लगाया था। हालांकि, एक्टिंग करियर लंबा नहीं चला, लेकिन प्रिया हमेशा हाई प्रोफाइल लाइफस्टाइल और बिजनेस बैकग्राउंड के चलते सुर्खियों में बनी रहीं।

सोशल मीडिया से गायब हैं प्रिया

करिश्मा कपूर से तलाक के बाद संजय कपूर ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। दोनों की शादी को लेकर काफी चर्चा रही थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से प्रिया लाइमलाइट से दूर नजर आ रही थीं। खासतौर पर नवंबर 2023 के बाद से प्रिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कोई भी पोस्ट साझा नहीं किया है। जो प्रिया पहले सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती थीं, वो अचानक गायब हो गईं। यही वजह है कि संजय कपूर के निधन के बाद लोग यह जानने को बेताब हैं कि प्रिया इस मुश्किल समय में कहां हैं और क्या उनका कोई आधिकारिक बयान सामने आएगा।

प्रिया का कोई रिएक्शन नहीं आया

जहां मलाइका, करीना से लेकर सैफ तक, बॉलीवुड सितारे संजय के निधन की खबर सुनते ही करिश्मा कपूर के घर पहुंचे वहीं अब तक प्रिया सचदेव की ओर से कोई भी सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

न उन्होंने कोई पोस्ट किया है और न ही किसी मीडिया इंटरव्यू में नजर आई हैं। यह चुप्पी और सोशल मीडिया से दूरी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या वह खुद को इस दुख से दूर रख रही हैं या फिर मीडिया की हलचल से बचना चाहती हैं?

स्पोर्ट्स

इंग्लैंड में 145 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार!

ऑस्ट्रेलिया-द.अफ्रीका ने बनाया यह अनचाहा रिकॉर्ड

इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट 1880 से खेला जा रहा है। तब से इस फाइनल से पहले तक इस देश में 561 टेस्ट हुए, लेकिन कभी यह रिकॉर्ड नहीं बना। अब फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ है। आइए जानते हैं वह अनचाहा रिकॉर्ड कौन सा है...

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल के पहले दिन लॉर्ड्स में तेज गेंदबाजों का बोलबाला रहा। कगिसो रबाडा (51 रन पर पांच विकेट) और मार्को यानसेन (49 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की भी शुरुआत खराब रही और उसने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 43 रन पर चार विकेट गंवा दिए हैं। मिचेल स्टार्क (10 रन पर दो विकेट) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों एडेन मार्करम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। कप्तान पैट कमिंस (14 रन पर एक विकेट) और जोश हेजलवुड (10 रन पर एक विकेट) ने भी एक-एक विकेट चटकाया। पहले दिन ही एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना जो इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट के 145 साल के इतिहास में नहीं बना था। दरअसल, इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट 1880 से खेला जा रहा है। तब से इस फाइनल से पहले तक इस देश में 561 टेस्ट हुए, लेकिन कभी यह रिकॉर्ड नहीं बना। अब फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ है कि इंग्लैंड में किसी टेस्ट में दोनों टीमों का पहले नंबर का बल्लेबाज (पहली गेंद पर स्ट्राइक लेने वाला बल्लेबाज) अपनी-अपनी पहली पारी में खाता नहीं खोल सका हो। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा शून्य पर आउट हुए थे। उन्हें रबाडा ने पवेलियन भेजा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में एडेन मार्करम भी खाता नहीं खोल पाए। यह अनचाहा रिकॉर्ड इंग्लैंड में 145 साल के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार बना। ओवरऑल (सभी देशों को मिलाकर) ऐसा 10वीं बार हुआ है। पहले दिन का खेल खत्म होने पर दक्षिण अफ्रीका के डेविड बेडिंघम आठ, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे। दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले ब्यू वेबस्टर (72 रन, 92 गेंद, 11 चौके) और स्टीव स्मिथ (66 रन, 112 गेंद, 10 चौके) ने पांचवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी करके उस समय मुश्किल से उबारा जब टीम 67 रन पर चार विकेट गंवा चुकी थी। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी (23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

सलामी बल्लेबाज रियान रिकेल्टन (16) ने स्टार्क और हेजलवुड पर चौके मारे। वह हालांकि स्टार्क की गेंद पर पहली स्लिप में उस्मान ख्वाजा को कैच दे बैठे। मुल्डर ने 44 गेंद में छह रन बनाने के दौरान काफी संघर्ष किया और फिर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए। हेजलवुड ने ट्रिस्टन स्टब्स (02) को बोल्ड करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 30 रन किया।

इससे पहले आसमान में छाए बादलों के बीच दक्षिण अफ्रीका के कप्तान बावुमा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्ले से पहला रन मार्नस लाबुशेन (17) ने यानसेन पर पारी के चौथे ओवर में दो रन के साथ बनाया। लाबुशेन पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज कर रहे थे। रबाडा ने सातवें ओवर में उस्मान ख्वाजा को स्लिप में डेविड बेडिंघम के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा 20 गेंद खेलने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए।

मार्च 2024 के बाद पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेल रहे कैमरन ग्रीन (04) ने रबाडा की पहली ही गेंद पर चौका जड़ा लेकिन एक गेंद बाद स्लिप में एडेन मार्करम के हाथों लपके गए। लाबुशेन और स्मिथ ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। स्मिथ ने रबाडा जबकि लाबुशेन ने लुंगी एनगिडी पर चौका जड़ा। स्मिथ ने भी एनगिडी के ओवर में दो चौके मारे। यानसेन ने लाबुशेन को विकेटकीपर काइल वेरेने के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने लंच से पहले की अंतिम गेंद पर ट्रेविस हेड (11) को भी लेग साइड में विकेटकीपर के हाथों कैच कराके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार विकेट पर 67 रन किया।

स्मिथ और वेबस्टर ने इसके बाद पारी को संभाला। स्मिथ ने रबाडा पर दो चौके मारे।

बीसीसीआई अपेक्स काउंसिल की बैठक आईपीएल में जीत के बाद जश्न को लेकर नियम बना सकता है बोर्ड

बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ की दुखद घटना के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जीत के जश्न के लिए मानक दिशानिर्देश तैयार करना भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शनिवार को होने वाली 28वीं शीर्ष परिषद बैठक के एजेंडे में प्रमुख मुद्दों में शामिल होगा। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना पिछले बुधवार को घटी थी, जब लगभग 2.5 लाख प्रशंसक अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए स्टेडियम और उसके आसपास के इलाकों में उमड़ पड़े थे। इसके कारण भगदड़ मच गई थी, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 घायल हो गए थे। बीसीसीआई ने हालांकि माना कि समारोह का बेहतर प्रबंधन किया जा सकता था, लेकिन अब इस मामले पर बैठक के दौरान औपचारिक रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा।

आने वाले समय में कौन से खिलाड़ी होंगे फैब-4 का हिस्सा?

खुद फैब-4 के सदस्य विलियम्सन ने उन खिलाड़ियों का नाम लिया है जो आगे चलकर फैब-4 का हिस्सा हो सकते हैं। उनसे पूछा गया कि आने वाले समय में सभी प्रारूपों को देखा जाए तो फैब-4 में कौन से खिलाड़ी हो सकते हैं? जानें विलियम्सन ने क्या कहा... मौजूदा समय में क्रिकेट में जिन खिलाड़ियों का दबदबा रहा है, उनमें विराट कोहली, केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ और जो रूट शामिल हैं। इन्हें फैब-4 के नाम से भी जाना जाता है। इन चारों ने 2010 के बाद से विश्व क्रिकेट पर अपनी धाक जमाई है। चाहे वनडे हो या टेस्ट या फिर टी20 इनका हर प्रारूप में दबदबा रहा है। अभी भी चारों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अलग-अलग प्रारूपों में सक्रिय हैं, लेकिन धीरे-धीरे संन्यास की ओर बढ़ रहे हैं। इसने यह बहस भी चालू कर दिया कि आने वाले समय में इन चारों की जगह कौन लेगा। विलियम्सन ने पांच नाम सुझाए हैं, जिनमें से फैब-फोर निकलकर सामने आ सकते हैं। इन पांच में से दो भारतीय और एक-एक न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और एक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी है। दरअसल, कोहली टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। स्मिथ वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह चुके हैं। जबकि क्रिकेट की दुनिया मौजूदा फैब 4 का आनंद उठा रही है, अगले फैब 4 के बारे में बातचीत शुरू हो चुकी है। खुद फैब-4 के सदस्य विलियम्सन ने उन खिलाड़ियों का नाम लिया है। उनसे पूछा गया कि आने वाले समय में सभी प्रारूपों को देखा जाए तो फैब-4 में कौन से खिलाड़ी हो सकते हैं? इसके जवाब में विलियम्सन ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, अलग-अलग प्रारूपों को देखा जाए तो यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रचिन रविंद्र और हैरी ब्रूक जैसे खिलाड़ी दिमाग में आते हैं। कैमरन ग्रीन भी ध्यान में आते हैं। ये सभी बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उन्होंने सभी प्रारूपों में अछा प्रदर्शन किया है। सभी युवा हैं और उनके खेल में सुधार देखा जा सकता है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार डेरिल कलिनन ने कोहली को फैब फोर में सर्वश्रेष्ठ के रूप में चुना था। उन्होंने कहा था कि विराट ने क्रिकेट के सभी रूपों में जिस तरह से जिम्मेदारी भरी बल्लेबाजी की, वह देखना शानदार था। कलिनन ने कहा, मुझे लगता है कि फैब फोर में स्पष्ट रूप से खेल के सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ खेलने वाले खिलाड़ी हैं। इन सभी ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार खेला है।

इज़राइल का बड़ा ऐलान - ईरान के परमाणु ठिकानों पर किया हमला

टॉप जनरल और वैज्ञानिकों के मारे जाने की आशंका

नई दिल्ली. जिस आशंका ने लंबे समय से दुनिया भर के नेताओं और कूटनीतिज्ञों को परेशान कर रखा था, वो अब हकीकत बन चुकी है। इज़राइल और ईरान के बीच की तनातनी अब पूरी तरह से युद्ध में तब्दील हो चुकी है। शुक्रवार की सुबह, इज़राइली वायुसेना ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए भारी बमबारी की। इस हमले ने न केवल तेहरान बल्कि पूरे विश्व को सकते में डाल दिया है।

ऑपरेशन राइजिंग लायन की शुरुआत

इज़राइली सेना ने इस हमले को 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया है। इस सैन्य तेहरान और इसके आस-पास के कई शहरों में शुक्रवार तड़के जबरदस्त धमाकों की आवाजें सुनी गईं। नतांज और फोर्दो स्थित परमाणु केंद्रों पर निशाना साधा गया। हमले के तुरंत बाद ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर आपातकाल की घोषणा कर दी। राजधानी में अफरा-तफरी का माहौल है और अस्पतालों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

ईरानी मीडिया के अनुसार, इस हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के टॉप कमांडर और कुछ प्रमुख परमाणु वैज्ञानिकों की जान चली गई है। हालांकि, इस दावे की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि यह सही साबित होता है, तो यह हमला ईरान के सामरिक ढांचे को गहरा नुकसान पहुंचा सकता है। हमले के तुरंत बाद ईरान ने इज़राइल और उसके सहयोगी अमेरिकी ठिकानों पर पलटवार की धमकी दी है। ईरानी रक्षामंत्री ने कहा है कि उनका देश पूर्ण सैन्य प्रतिक्रिया के लिए तैयार है। ड्रोन और मिसाइलों की तैनाती की खबरें भी आ रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बेचैनी

इस पूरे घटनाक्रम ने वैश्विक मंच पर हलचल मचा दी है। संयुक्त राष्ट्र और नाटो देश इस संकट पर आपात बैठक की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिका ने अभी तक स्थिति पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले ही चेतावनी दी थी कि मिडिल ईस्ट में जल्द भीषण संघर्ष होने वाला है।

फिलहाल की स्थिति

इज़राइल ने ईरान पर दो चरणों में हवाई हमला किया है

ईरान ने देशभर में आपातकाल लागू किया

इज़राइली ऑपरेशन का नाम 'राइजिंग लायन'

परमाणु वैज्ञानिकों और सैन्य प्रमुखों की मौत की आशंका

पूरी दुनिया में तनाव, बाजारों में गिरावट की संभावना

अभियान का उद्देश्य स्पष्ट है — ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना, जिसे इज़राइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। हमले की पुष्टि करते हुए इज़राइल ने कहा कि यह एक प्री-एम्प्टिव स्ट्राइक थी, यानी संभावित खतरे से पहले की गई रक्षात्मक कार्रवाई।

अस्पताल मालिक की दरिंदगीः नर्स को बहाने से बुलाकर कमरे में बनाया बंधक

फिर धमकी देकर किया दुष्कर्म

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मुरादाबाद मार्ग पर एक अस्पताल में नर्सिंग कर रही युवती के साथ अस्पताल के मालिक ने बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। घटना के बाद युवती ने बुधवार की रात थाने पहुंच कर अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह मामला एक गांव का है। युवती काफी समय से कस्बे के मुरादाबाद मार्ग पर स्थित उस अस्पताल में नर्स का काम कर रही थी। उसने बताया कि 3 जून को अस्पताल के मालिक हाशिम अंसारी ने उसे अपने कमरे में बुलाया। वह ऊपर मंजिल पर था। वहां जाकर जब युवती ने देखा कि उसे बहाने से बुलाया गया है, तो अचानक आरोपी ने उसे कमरे में बंधक बना लिया। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

धमकियां और वीडियो सबूत

पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और उसके विरोध करने पर मारपीट की। साथ ही जातिसूचक शब्द भी बोले। उसने यह भी कहा कि यदि उसने किसी

को कुछ बताया तो उसके परिवार को भी जान से मार देंगे। इस दौरान युवती ने अपने फोन से एक वीडियो भी बना लिया, जिसमें घटना की जानकारी है।

पुलिस ने की कार्रवाई

यह घटना 10 दिन पहले की है। उस दौरान युवती डर के मारे किसी को कुछ नहीं बता सकी। धमकियों के कारण वह घर भी नहीं जा पाई। लेकिन बुधवार को उसने अपने साथ हुई घटना का जिक्र अपने परिवार वालों से किया। परिवार वाले तुरंत थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर आरोपी अस्पताल के मालिक हाशिम अंसारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी कर उसे जेल भेज दिया है। अब आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है।

55 वर्षीय मंदबुद्धि महिला से गैंगरेप

दरिंदगी के बाद फरार हुए 3 आरोपी पुलिस कर रही तेज छापेमारी

मामला उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र का है, जिसमें एक 55 वर्षीय महिला के साथ गैंगरेप का मामला प्रकाश में आया है।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, बीते बुधवार की देर शाम गांव में रहने वाली महिला अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। तभी 3 युवक गोलू, बबलू और गप्पू ने उसे अकेला देखकर पकड़ लिया। आरोप है कि इन युवकों ने महिला को खेत में ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया। जब इस दौरान एक अन्य महिला वहां पहुंची, तो आरोपी फरार हो गए। घटना की जानकारी महिला के पति को मिली, जिन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। वहीं घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। महिला मंदबुद्धि है, जिससे उसकी स्थिति और भी संवेदनशील हो गई है। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

महिला के पति की तहरीर पर

पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की खोजबीन शुरू कर दी गई है। पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। महिला का मेडिकल परीक्षण कराकर रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

मामले में प्रमुख बातें

आरोपियों का समुदाय विशेष का होना बताया गया है। घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की है। एसपी क्राइम सुधीर जायसवाल का कहना है कि आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं यह घटना समुदाय के बीच तनाव का कारण बन सकती है। सरकार और पुलिस प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया है, और पीड़िता को न्याय दिलाने के प्रयास जारी हैं।

विमान यात्रा में भूलकर भी न ले जाएँ ये 4 गैजेट्स, बन सकते हैं बड़े हादसे की वजह

नेशनल डेस्क। अहमदाबाद में हाल ही में हुए विमान हादसे ने हवाई सुरक्षा नियमों पर एक बार फिर से ध्यान खींच लिया है. अक्सर लोग जानकारी के अभाव में कुछ ऐसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अपने साथ ले जाते हैं जो विमान यात्रा के दौरान खतरनाक साबित हो सकते हैं. ये गैजेट्स न सिर्फ आपकी बल्कि विमान में सवार सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में डाल सकते हैं. यहाँ हम उन 4 प्रमुख गैजेट्स के बारे में बता रहे हैं जिन्हें हवाई जहाज़ में ले जाना या इस्तेमाल करना नियमों के ख़िलाफ़ माना जाता है और ये विमान यात्रा के लिए गंभीर ख़तरा क्यों बन सकते हैं-

1. अत्यधिक क्षमता वाले पावर बैंक (27000 mAh से ज़्यादा)

आजकल हर कोई पावर बैंक का इस्तेमाल करता है लेकिन हवाई यात्रा में इसकी क्षमता की एक सीमा होती है. यदि आपके पास 27000 mAh से ज़्यादा क्षमता वाला पावर बैंक है तो इसे साथ ले जाना बेहद जोखिम भरा हो सकता है. इतनी ज़्यादा क्षमता वाली लिथियम-आयन बैटरी से विमान में आग लगने का ख़तरा रहता है जो सीधे तौर पर विमान की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है. आमतौर पर 10000 mAh या 20000 mAh तक के पावर बैंक ले जाने की अनुमति होती है लेकिन इससे ज़्यादा क्षमता वाले डिवाइस से बचना ही बेहतर है.

2. ई-सिगरेट और वेप डिवाइस

ई-सिगरेट और वेपिंग डिवाइस को प्लेन में ले जाना या इस्तेमाल करना दोनों ही ख़तरनाक माने जाते हैं. इनमें लिक्विड निकोटिन के साथ-साथ लिथियम बैटरी भी होती है. तापमान में बदलाव या दबाव के कारण ये बैटरियाँ फट सकती हैं या उनमें आग लग सकती है. कुछ एयरलाइंस इन्हें कैबिन बैग में ले जाने की अनुमति देती हैं लेकिन फ़्लाइट के दौरान इनका इस्तेमाल करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है. इसलिए, यात्रा से पहले ही इन्हें छोड़ देना सबसे सुरक्षित विकल्प है.

3. स्मार्ट बैग जिनकी बैटरी नहीं निकलती

बाज़ार में अब ऐसे स्मार्ट बैग आ गए हैं जिनमें इन-बिल्ट चार्जिंग पोर्ट, जीपीएस और वज़न मापने जैसी सुविधाएँ होती हैं. लेकिन अगर इनमें लगी लिथियम बैटरी को अलग नहीं किया जा सकता तो ऐसे बैग्स को चेक-इन लगेज के रूप में ले जाना सख़्त मना है. इसका कारण यह है कि अगर बैग को कार्गो होल्ड में रखा गया और बैटरी में कोई गड़बड़ी हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है. यदि बैटरी को अलग किया जा सकता है तो उसे निकालकर अपने साथ कैबिन में ले जाना सुरक्षित माना जाता है.

4. बैटरी से चलने वाले अन्य अनजान गैजेट्स

कई बार लोग ऐसे गैजेट्स लेकर यात्रा पर निकल पड़ते हैं जिनमें छोटी लेकिन हाई-पावर बैटरी लगी होती है. इनमें कुछ ख़ास तरह के कैमरे, ड्रोन्स या हैंडहीटर्स शामिल हो सकते हैं. बिना जांचे इन डिवाइसों को साथ ले जाने से एयरपोर्ट सिक्योरिटी में परेशानी खड़ी हो सकती है. इसके अलावा यदि ये डिवाइसेज अनजाने में एक्टिव हो जाते हैं तो वे विमान की तकनीकी व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकते हैं.

सुरक्षित यात्रा के लिए क्या करें?

हवाई यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाने की ज़िम्मेदारी सिर्फ एयरलाइंस की नहीं बल्कि हम यात्रियों की भी होती है. ऐसे में कुछ छोटे-छोटे नियमों का पालन करके हम बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं- हमेशा यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर जाकर उनके बैगेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से जुड़े नियमों को ध्यान से पढ़ें. बैटरी से चलने वाले किसी भी गैजेट को पैक करने से पहले सोचें कि क्या वह नियमों के अनुसार सुरक्षित है. यदि किसी डिवाइस को साथ ले जाना ज़रूरी हो तो उसे मैनुअली बंद कर लें और यदि संभव हो तो उसकी बैटरी को अलग कर दें.

व्यापार

सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे रेस्तरां-होटल,18 को नोटिस

CCPA का आदेश- ग्राहकों को जल्द वापस करें

सीसीपीए ने 4 जुलाई, 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार, कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा।

देश भर के रेस्तरां और होटल ग्राहकों से सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस पर खुद संज्ञान लेते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने अलग-अलग राज्यों के 18 रेस्तरां को नोटिस जारी कर दिया है। इनको सेवा शुल्क के नाम पर वसूली गई रकम ग्राहकों को वापस लौटाने का आदेश दिया है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने बताया, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर 18 रेस्तरां के विरुद्ध सेवा शुल्क की अनिवार्य वसूली और सेवा शुल्क राशि वापस न करने के

संबंध में ग्राहकों से शिकायतें मिल रहीं थीं। इसके बाद इसकी जांच की गई और सभी रेस्तरां को इस मामले में कोर्ट के पहले के आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

खरे ने कहा, सीसीपीए सेवा शुल्क पर जारी दिशा निर्देशों और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के उल्लंघन पर कड़ी नजर रख रहा है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 28 मार्च, 2025 से 10 जून, 2025 तक कुल 336 शिकायतें दर्ज की गई थीं। इन शिकायतों में ग्राहकों ने आरोप लगाया था कि कुछ रेस्तरां उनकी पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना अनिवार्य सेवा शुल्क की वसूली कर रहे हैं। इन शिकायतों की जांच करने के बाद सीसीपीए ने 18 रेस्तरां को नोटिस जारी किए हैं।

रेस्तरां को पक्ष रखने के लिए मिलता है मौका

खरे ने कहा, सीसीपीए की कार्रवाई देश भर के होटलों और रेस्तरांओं पर हो रही है। इसमें महानिदेशक (जांच) की ओर से मामले की जांच की जाती है। जो भी संबंधित पार्टी है, उसे सुनवाई का पूरा अवसर मिलता है। अगर इसके जवाब से हम संतुष्ट नहीं होते हैं तो फिर अंतिम आदेश पारित कर उस पर कार्रवाई की जाती है।

किसी भी रूप में ग्राहकों से नहीं वसूल सकते सेवा शुल्क

सीसीपीए ने 4 जुलाई, 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार, कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा। किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्राहकों को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर नहीं करेगा और उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से बताएगा कि सेवा शुल्क स्वैच्छिक और वैकल्पिक है। सेवा शुल्क को खाद्य बिल के साथ जोड़कर और कुल राशि पर जीएसटी लगाकर एकत्र नहीं किया जाएगा।

कोल इंडिया के कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड, जुलाई से होगा लागू

नई दिल्लीः कोल इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए 'ड्रेस कोड निर्धारित कर दिया है जिसे जुलाई से लागू किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में अपने कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि जुलाई से पुरुष कर्मचारी गहरे नीले रंग की पैंट और आसमानी रंग की शर्ट पहनेंगे। वहीं महिला कर्मचारियों को हल्के आसमानी रंग का कुर्ता तथा गहरे नीले रंग की सलवार व दुपट्टा या गहरे नीले रंग के बॉर्डर वाली हल्के आसमानी रंग की साड़ी व गहरे नीले रंग का ब्लाउज पहनना होगा।

सूत्र ने कहा, ''सीआईएल के निदेशक मंडल ने 30 मई, 2025 को हुई अपनी बैठक में सीआईएल और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कर्मचारियों के लिए एक समान 'ड्रेस-कोड योजना को मंजूरी दी। 'ड्रेस कोड लागू करने का मकसद सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के

कर्मचारियों के बीच एकरूपता लाना है, साथ ही इसके माध्यम से कंपनी के 'ब्रांड को मजबूत करना है।

सूत्र ने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी को तीन जोड़ी वर्दी के लिए 12,500 रुपए का अग्रिम भुगतान किया जाएगा। एक वर्ष बाद योजना की समीक्षा की जाएगी।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का देश के कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से यादा का हिस्सा है। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 2.25 लाख है। पिछले महीने कंपनी का कोयला उत्पादन 1.4 प्रतिशत घटकर 6.35 करोड़ टन रहा है, जो एक साल पहले समान महीने में 6.44 करोड़ टन था। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 87.5 करोड़ टन उत्पादन तथा 90 करोड़ टन उठाव का लक्ष्य रखा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569